मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 326
मंगलवार, 16 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग का अभूतपूर्व योगदानः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पिछले 12 वर्षों में राजग सरकार का ध्यान आम नागरिकों के जीवन स्तर को सुधारने पर रहा है। सरकार ने अवसरों तक आसान पहुंच, बेहतर बुनियादी ढांचे, उन्नत सार्वजनिक सेवाओं, किफायती स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष काम किया है।

अपनी सरकार को 'मध्यम वर्ग की सरकार' बताते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा कि देश के निर्माण में मध्यम वर्ग का अभूतपूर्व योगदान है और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार के लिए सौभाग्य की बात है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल क्रांति में अभूतपूर्व प्रगति केंद्र सरकार के नागरिकों की भागीदारी वाले प्रमुख प्लेटफार्म 'मायगोव इंडिया' के अनुसार, पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में मध्यम वर्ग के रहन-सहन के स्तर में बड़ा उछाल आया है। देश में इंटरनेट पैठ अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई है, जिसके तहत 103 करोड़ से अधिक कनेक्शन सक्रिय हैं। डेटा की कम कीमतों ने शिक्षा, डिजिटल भुगतान और रोजगार के अवसरों को बेहद सुलभ बना दिया है।

यातायात के क्षेत्र में 'वंदे भारत' सेवाओं के विस्तार से रेल यात्रा तेज और आरामदायक हुई है। अब तक 164 वंदे भारत ट्रेनें संचालित हो चुकी हैं, जिनसे नौ करोड़ से अधिक यात्री सफर कर चुके हैं। इसके अलावा, शहरों में तेजी से फैले मेट्रो नेटवर्क ने ट्रैफिक जाम को कम कर कामकाजी पेशेवरों और छात्रों के लिए आवागमन आसान बनाया है। साथ ही, बेहतर राजमार्गों और सुव्यवस्थित टोल प्रणालियों से देश की लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस और इंटरसिटी यात्रा में बड़ा सुधार हुआ है।

मैसूर के रेस्तरां-बार में लगी भीषण आग, 2 लोगों की मौत; सात झुलसे

मैसूर, 15 जून। कर्नाटक के मैसूर में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां एक रेस्तरां-बार में भीषण आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई, वहीं 7 लोग बुरी तरह से झुलस गए हैं। घटना फळ नगर इलाके में दत्तागल्ली के पास स्थित बार 'फॉक्स डेन लिकर गैराज बार एंड रेस्टोरेंट' में हुई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है। आग तेजी से पूरे रेस्तरां में फैल गई, जिसने कुछ ही मिनटों में रेस्तरां के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। तेजी से फैलाती आग का चलते अंदर मौजूद लोगों और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। मरने वालों की पहचान दार्जिलिंग के रहने वाले साहिन (26) और नेपाल के रहने वाले प्रकाश (24) के तौर पर हुई है। दोनों इसी रेस्तरां में काम करते थे। रिपोर्ट्स के अनुसार आग के तेज होने पर वे इमारत के अंदर ही फंस गए थे। मौके पर ही जलने से उनकी मौत हो गई। इस घटना में सात अन्य लोग घायल हो गए, फिलहाल उन्हें इलाज के लिए करीबी अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोग बुरी तारह झुलस गये हैं, जबकि कुछ लोग धुएं से भरी इमारत से बाहर निकलने की कोशिश में घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब आग लगी तो रेस्तरां के अंदर 25 से ज्यादा लोग मौजूद थे। जैसे ही इमारत में धुआं फैला, तो कई लोग अंदर ही फंस गए। फायर और इमरजेंसी सर्विस के कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। फायर ब्रिगेड ने जलती हुई इमारत से सात लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। चश्मदीदों ने बताया कि घने धुएं के चलते कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था और बाहर निकलने के रास्ते बंद हो गए थे, जिससे अंदर मौजूद लोगों में घबराहट फैल गई।

खुद को बचाने की हताशा में, कुछ लोगों ने इमारत की ऊपरी मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उन्हें और चोटें आईं।

पेपर लीक के खिलाफ एकजुट हो युवाः राहुल गांधी

नई दिल्ली, 15 जून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को छात्रों और नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं से 17 जून को राजस्थान के कोटा में होने वाले छात्रों की गूंज विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। विपक्ष के नेता ने सरकार पर आरोप लगाया कि बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने, परीक्षाएं रद्द होने और भर्ती प्रक्रिया में देरी के कारण सरकार भारत के युवाओं को निराश करने में विफल रही है। गांधी ने पर कहा कि आज के भारत में युवाओं को सपने देखने की हिम्मत करने के लिए सजा दी जा रही है और कड़ी मेहनत से अब सफलता की गारंटी नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि हर पेपर लीक, रद्द हुई परीक्षा और रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया एक सिस्टम की विफलता है और यह लाखों छात्रों और नौकरी चाहने वालों के सपनों पर एक चोट है।

युवाओं में निराशा और गुस्से को समझते हुए गांधी ने कहा कि जब सरकार सुनने से इनकार कर दे, तो लोगों को अपनी आवाज और जोर से उठानी चाहिए। उन्होंने छात्रों से कोटा में एकजुट होने और अपनी चिंताओं को ऐसा बनाने के लिए कहा जिन्हें नजरअंदाज करना नामुमकिन हो। गांधी ने इस अभियान को भारत के युवाओं के भविष्य की लड़ाई बताते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर एक ऐसी दहाड़ बनें जिसे नजरअंदाज न किया जा सके। कोटा से शुरू होकर, यह देश के हर कोने तक पहुँचे।

कांग्रेस ने परीक्षा में गड़बड़ी, पेपर लीक और सरकारी भर्ती में देरी जैसे मुद्दों को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश की है और छात्रों तथा नौकरी के उम्मीदवारों से जुड़ी चिंताओं को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। गांधी ने कहा कि वे निष्पक्ष अवसरों और रोजगार के लिए छात्रों के संघर्ष में उनके साथ खड़े हैं। 17 जून का कार्यक्रम कोटा के दशहरा मैदान स्थित श्री राम रंगमंच पर आयोजित किया जाएगा। यह शिक्षा बचाओ, अपना भविष्य बचाओ अभियान के तहत देशव्यापी आउटरीच कार्यक्रम का पहला पड़ाव होगा। इस अभियान के तहत आगे 10 जुलाई को इलाहाबाद, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली जाने का कार्यक्रम है। यह सब 'कॉकरोच जनता पार्टी' के देशव्यापी अभियान के बीच हो रहा है। यह एक व्यंग्यात्मक संगठन है जो पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन कर रहा है और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहा है।

पीएम मोदी ने अमेरिका-ईरान समझौते का किया स्वागत

नई दिल्ली, 15 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका और ईरान के बीच वेस्ट एशिया में संघर्ष समाप्त करने को लेकर बनी सहमति का स्वागत किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस समझौते के लागू होने से क्षेत्र में शांति, स्थिरता और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि वेस्ट एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है और इससे न केवल आर्थिक व्यवधान पैदा हुआ, बल्कि कई देशों में जान-माल का नुकसान भी हुआ। मोदी ने कहा कि भारत अमेरिका और ईरान के बीच बनी इस समझ का स्वागत करता है और आशा करता है कि इसके क्रियान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल होगी। उन्होंने कहा कि यह समझ समुद्री मार्गों पर आवाजाही और वैश्विक व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने में भी मददगार साबित हो सकती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि शेष मुद्दों पर जारी बातचीत भी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगी और अंततः एक स्थायी तथा टिकाऊ समझौते का रास्ता निकलेगा। भारत लंबे समय से वेस्ट एशिया में शांति, संवाद और कूटनीतिक समाधान का समर्थन करता रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने हाल ही में घोषणा की थी कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझौता अंतिम रूप ले चुका है। बताया जा रहा है कि प्रस्तावित शांति समझौते पर 19 जून को Switzerland में औपचारिक हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। वेस्ट एशिया भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक हितों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत अपनी तेल और गैस आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। इसके अलावा Strait of Hormuz जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों की सुरक्षा भारत के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में क्षेत्र में तनाव कम होना भारत के लिए भी सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। बता दें कि अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें प्रस्तावित हस्ताक्षर समारोह और आगे की वार्ताओं पर टिकी हैं। यदि समझौता सफलतापूर्वक लागू होता है तो यह वेस्ट एशिया में लंबे समय से जारी तनाव को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

अमेरिका-ईरान समझौते पर चीन की मुहर

बीजिंग, 15 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद चीन ने भी अमेरिका-ईरान शांति समझौते का स्वागत किया है। बीजिंग ने क्षेत्रीय तनाव कम होने पर संतोष जताते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने की मांग की। चीन ने कहा कि वैश्विक व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री मार्गों की सुरक्षा दुनिया की साझा प्राथमिकता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन अमेरिका और ईरान के बीच हुई प्रगति का स्वागत करता है और आशा करता है कि दोनों पक्ष तय कार्यक्रम के अनुसार समझौते को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजिंग पाकिस्तान द्वारा की गई मध्यस्थता की कोशिशों की भी सराहना करता है। चीन का मानना है कि सभी संबंधित पक्ष शांतिपूर्ण संवाद और बातचीत के माध्यम से मतभेदों को दूर करने की प्रतिबद्धता बनाए रखें। लिन जियान ने जोर देकर कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में स्थिरता बहाल होना पूरी दुनिया के हित में है। उन्होंने कहा कि चीन क्षेत्र में शांति और स्थिरता स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है। खाड़ी देशों से निकलने वाले तेल और गैस का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से वैश्विक बाजारों तक पहुंचता है। हालिया तनाव और हमलों के कारण इस मार्ग पर नौवहन प्रभावित हुआ था, जिससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल कीमतों को लेकर चिंताएं बढ़ गई थीं।

पश्चिम बंगाल की बीजेपी सरकार लाएगी नई औद्योगिक नीति, लाखों रोजगार का होगा सृजन

कोलकता, 15 जून। पश्चिम बंगाल की पहली बीजेपी सरकार 22 जून को अपने पहले राज्य बजट में एक नई औद्योगिक नीति पेश कर सकती है। इसमें आसानी से जमीन अधिग्रहण, सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन जैसी योजनाएं शामिल हो सकती हैं। सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर ज़िले के नंदीग्राम में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित नीति राज्य भर में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने के सरकार के प्रयासों का एक अहम हिस्सा होगी।

उन्होंने कहा कि बजट में रोजगार बढ़ाने, औद्योगीकरण में तेजी लाने और सामाजिक कल्याण योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने के मकसद से कई जन-हितैषी फैसले शामिल होंगे। जन कल्याण शिविर के उद्घाटन के मौके पर अधिकारी ने कहा कि हमारी इंडस्ट्री पॉलिसी आ रही है। हम जमीन अधिग्रहण की नई योजना, सिंगल-विंडो सिस्टम और इंडस्ट्रीज के लिए इंसेंटिव शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद इंडस्ट्री के विकास के जरिए नौकरियां पैदा करना है।

कर्नाटक में धोखाधड़ी रोकने को सख्त होंगे नियमः डीके शिवकुमार

कर्नाटक, 15 जून। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की गारंटी योजनाएं असली लाभार्थियों के लिए हैं और बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धोखाधड़ी और दुरुपयोग को रोकने के लिए सख़्त सत्यापन प्रक्रियाएं लागू की जा रही हैं। गारंटी कार्यक्रमों को लागू करने पर चर्चा करते हुए शिवकुमार ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार की आलोचना करना है।

उन्होंने कहा कि सरकार को अच्छी तरह पता था कि विपक्ष के पास पेश करने के लिए कुछ भी सकारात्मक नहीं है, और साथ ही कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा राज्य सरकार कई ऐसी पहल लागू कर रही है जिन्हें पिछली सरकारें लागू नहीं कर पाई थीं। हालाँकि, उन्होंने माना कि इसके गलत इस्तेमाल के मामले भी सामने आए हैं, जैसे गलत तस्वीरें अपलोड करना, नकली मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल और फायदों का गलत बैंक खातों में भेजा जाना। उन्होंने जोर देकर कहा कि योजना का फायदा सीधे सही हकदारों तक पहुँचना चाहिए।

शिवकुमार ने साफ किया कि गारंटी योजनाएँ सिर्फ. कर्नाटक के निवासियों के लिए हैं, दूसरे राज्यों के लाभार्थियों के लिए नहीं। मुफ़्त बस यात्रा जैसी योजनाओं का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए पात्रता सिर्फ.कर्नाटक के वोटरों और निवासियों तक ही सीमित रहनी चाहिए, ताकि यह पक्का किया जा सके कि सरकारी पैसे का इस्तेमाल सिर्फ.उन्हीं लोगों के लिए हो जिनके लिए इसे मंजूर किया गया है।

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

शिक्षा में एक नये युग एवं शैक्षिक क्रांति की आहट

-ललित गर्ग

आज पूरी दुनिया शिक्षा के एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां ज्ञान का विस्तार तो अभूतपूर्व हुआ है, लेकिन जीवन मूल्यों का क्षरण भी उतनी ही तेजी से दिखाई देता है। विज्ञान और तकनीक ने मानव जीवन को सुविधासंपन्न बनाया है, लेकिन मानसिक तनाव, हिंसा, प्रतिस्पर्धा, नैतिक संकट और मानवीय संवेदनाओं के क्षय जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह प्रश्न लगातार गूंज रहा है कि क्या वर्तमान शिक्षा व्यवस्था वास्तव में मनुष्य का निर्माण कर रही है या केवल पेशेवर और उपभोक्तावादी समाज का निर्माण कर रही है? ऐसे समय में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा प्रारंभ की गई आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल की योजना एक नई आशा, नई दृष्टि और नए शैक्षणिक दर्शन के रूप में सामने आई है। यह केवल विद्यालयों की स्थापना की योजना नहीं है, बल्कि शिक्षा को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का एक महाअभियान है। महासभा ने देशभर में लगभग सौ विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया है। वर्तमान में राजस्थान के श्रीडूंगरगढ़, गंगाशहर और नोखा तथा गुजरात के भुज में विद्यालयों का निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियां तीव्र गति से संचालित हैं। इन विद्यालयों की स्थापना के पीछे केवल आधुनिक शिक्षण संस्थान खड़े करने की भावना नहीं है, बल्कि ऐसी शिक्षा संस्कृति विकसित करने का संकल्प है जो ज्ञान के साथ संस्कार, विज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता का समन्वय स्थापित कर सके।

तेरापंथ धर्मसंघ की शिक्षा-दृष्टि सदैव व्यापक, मानवीय और दूरदर्शी रही है। इस परंपरा में शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्ति का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि व्यक्ति के समग्र विकास का आधार समझा गया है। तेरापंथ के आचार्यों ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाना है। यदि शिक्षा केवल बुद्धि को विकसित करे और हृदय को उपेक्षित छोड़ दे, तो वह अधूरी शिक्षा है। यदि वह ज्ञान तो दे लेकिन चरित्र न बनाए, तो वह समाज के लिए संकट भी उत्पन्न कर सकती है। आचार्य श्री तुलसी ने इस आवश्यकता को बहुत पहले पहचान लिया था। उन्होंने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नैतिकता को सामाजिक जीवन के केंद्र में स्थापित करने का प्रयास किया। उनका मानना था कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का वास्तविक विकास नैतिक आधार पर ही संभव है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में नैतिक मूल्यों को स्थापित करने के लिए नैतिक पाठमाला और नैतिक शिक्षा परीक्षाओं का अभिनव प्रयोग प्रारंभ किया। उस समय यह केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का अभियान था। लाखों विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों के माध्यम से सत्य, अहिंसा, अनुशासन, संयम, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा प्राप्त की। आचार्य महाप्रज्ञ ने इस विचारधारा को और अधिक वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक रूप प्रदान किया। उन्होंने जीवन विज्ञान के रूप में एक ऐसा शैक्षणिक मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें शिक्षा को शरीर, मन, भावना और चेतना के विकास से जोड़ा गया। जीवन विज्ञान ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफल होने की तैयारी नहीं दी, बल्कि तनावमुक्त जीवन, भावनात्मक संतुलन, आत्मानुशासन और सकारात्मक सोच की दिशा भी प्रदान की। आज जब दुनिया मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक शिक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, तब यह अनुभव होता है कि जीवन विज्ञान जैसी अवधारणाएं अपने समय से बहुत आगे की सोच थीं। आचार्य महाश्रमण ने इस समूची परंपरा को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। उनका व्यक्तित्व ज्ञान, साधना, अनुशासन, अहिंसा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय है। उनकी दृष्टि में शिक्षा केवल मस्तिष्क के विकास तक सीमित नहीं रह सकती। उसे मनुष्य के भीतर छिपी नैतिक, आध्यात्मिक और मानवीय संभावनाओं को भी जागृत करना होगा। इसी कारण उनके नाम पर स्थापित आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल केवल आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने वाले केंद्र बनने की क्षमता रखते हैं।

आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल का मूल मंत्र-ह्लज्ञान, मूल्य और चरित्रह्व है जो वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता को अभिव्यक्त करता है। आज अधिकांश शैक्षणिक संस्थानों में ज्ञान और कौशल पर तो पर्याप्त ध्यान दिया जाता है, लेकिन मूल्य और चरित्र का पक्ष अपेक्षाकृत कमजोर दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज में बौद्धिक प्रगति तो होती है, परंतु नैतिक और मानवीय संकट भी बढ़ते जाते हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस असंतुलन को दूर करने का एक सार्थक एवं प्रभावी प्रयास साबित होगा। यहां शिक्षा का लक्ष्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक में और विवेक को चरित्र में रूपांतरित करना है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भी इसी प्रकार की समग्र शिक्षा की आवश्यकता पर बल देती है। नई शिक्षा नीति में बहुआयामी विकास, जीवन कौशल, भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित शिक्षा और समग्र व्यक्तित्व निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। किंतु किसी भी नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे व्यवहार में उतारने वाले संस्थान कितने सक्षम हैं। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इस दृष्टि से नई शिक्षा नीति के जीवंत और प्रभावी मॉडल बन सकते हैं। यहां आधुनिक पाठ्यक्रम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की तैयारी के साथ-साथ नैतिकता, आत्मानुशासन, सह-अस्तित्व और आध्यात्मिक चेतना को भी समान महत्व दिया जाता है।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष और प्रख्यात उद्योगपति महेंद्र नाहटा के अनुसार इस परियोजना को महासभा की प्रमुख शैक्षणिक गतिविधि के रूप में विकसित किया है। इन स्कूलों के उद्देश्य एवं उनकी दूरदृष्टि इस योजना को सामान्य विद्यालय परियोजना से कहीं अधिक व्यापक बनाती है। नाहटा का विश्वास है कि आने वाले समय में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल तकनीक के युग में मशीनें अनेक कार्य कर सकेंगी, लेकिन करुणा, संवेदनशीलता, नैतिक निर्णय, मानवीय संबंध और आत्मिक संतुलन जैसे गुण केवल मनुष्य ही विकसित कर सकता है। इसलिए शिक्षा को मस्तिष्क के साथ-साथ हृदय और आत्मा को भी शिक्षित करना होगा। महेंद्र नाहटा का यह विचार अत्यंत महत्वपूर्ण है कि ये विद्यालय भारत की नई शिक्षा नीति को आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध करने का माध्यम बन सकते हैं। यहां आध्यात्मिकता का अर्थ किसी धार्मिक संकीर्णता से नहीं है, बल्कि आत्म-जागरूकता, नैतिकता, सहिष्णुता, मानवीय एकता और आंतरिक संतुलन से है। यह दृष्टिकोण आज के वैश्विक समाज की भी आवश्यकता है, क्योंकि विश्व के अनेक विकसित देशों में शिक्षा सुधार की चचाओं का केंद्र मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व और मूल्य आधारित जीवन बनता जा रहा है। आज शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह विद्यार्थियों को सफल तो बना रही है, लेकिन संतुष्ट नहीं, बुद्धिमान तो बना रही है, लेकिन संवेदनशील नहीं; सक्षम तो बना रही है, लेकिन चरित्रवान नहीं। परिणामस्वरूप समाज में तनाव, अवसाद, हिंसा, असहिष्णुता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में शिक्षा के ऐसे मॉडल की आवश्यकता है जो मनुष्य को केवल प्रतिस्पर्धा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करे। जो उसे केवल करियर नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य भी प्रदान करे। जो उसे केवल कमाना नहीं, बल्कि जीना भी सिखाए। आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूल इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। यहां विज्ञान और अध्यात्म, आधुनिकता और संस्कृति, तकनीक और नैतिकता, प्रतिस्पर्धा और सहयोग, सफलता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। यह दृष्टिकोण भविष्य की शिक्षा का आधार बन सकता है। दुनिया भर में आज ऐसी शिक्षा की खोज हो रही है जो विद्यार्थियों को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान और उत्तरदायी नागरिक भी बना सके। भारतीय शिक्षा परंपरा सदियों से इसी आदर्श की पक्षधर रही है। प्राचीन गुरुकुलों से लेकर आधुनिक आध्यात्मिक चिंतन तक, भारतीय दृष्टि ने शिक्षा को मनुष्य के समग्र विकास का माध्यम माना है। यदि आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूलों की यह योजना अपने निर्धारित स्वरूप में विकसित होकर आगे बढ़ती है, तो यह केवल भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए नहीं, बल्कि विश्व शिक्षा जगत के लिए भी एक प्रेरक मॉडल सिद्ध हो सकती है। जिस प्रकार कुछ देशों ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, उसी प्रकार भारत मूल्य-आधारित समग्र शिक्षा का वैश्विक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। यह मॉडल बताएगा कि शिक्षा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि जीवन का निर्माण है; केवल सूचना का विस्तार नहीं, बल्कि चेतना का विकास है; केवल करियर की तैयारी नहीं, बल्कि चरित्र की साधना है। कवास्तव में आचार्य महाश्रमण इंटरनेशनल स्कूलों की स्थापना को केवल एक शैक्षणिक परियोजना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह आचार्य तुलसी के अणुव्रत आंदोलन, आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन विज्ञान और आचार्य महाश्रमण की अहिंसामूलक एवं मानवीय दृष्टि का सृजनात्मक विस्तार है। यह शिक्षा को पुनः उसके मूल उद्देश्य से जोड़ने का प्रयास है। यह एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना है जहां विद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने वाले संस्थान नहीं होंगे, बल्कि मानवता के श्रेष्ठ भविष्य का निर्माण करने वाले केंद्र होंगे। यदि यह सपना साकार होता है तो न केवल भारत की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी, बल्कि विश्व को भी शिक्षा का एक ऐसा मानवीय, नैतिक और आध्यात्मिक मॉडल प्राप्त होगा जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक बुद्धिमान, अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यही इस महान योजना का वास्तविक महत्व, उद्देश्य और भविष्य है।

क्या बिना चुनाव लड़े नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी रातों-रात चर्चा में आ गई?

अशोक भाटिया

जी हाँ, 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' बिना कोई बड़ा चुनाव लड़े रातों-रात चर्चा में आ गई है, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने हाल ही में इसमें विलय करके राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। बागी सांसदों ने रविवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात कर उन्हें विलय का आधिकारिक पत्र सौंपा। बागी गुट की नेतृत्व करने वाली काकोली घोष ने संसद में अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग भी की है। काकोली घोष के अनुसार हम पीएम मोदी के नेतृत्व में ठऊअ के साथ मिलकर काम करेंगे। बागी गुट के पास दो-तिहाई सांसदों का समर्थन है। बागी सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय और शताब्दी रॉय ने कहा कि उनका गुट पहले ही एनसीपीआई में विलय कर चुका हैं।

सवाल उठता है कि टीएमसी के बागी लोकसभा सांसदों की पसंद एनसीपीआई क्यों बनी? एनसीपीआई पार्टी का गठन कब हुआ और कौन इस पार्टी को चलाता है। कैसे जीरो से देश की पांचवी सबसे बड़ी पार्टी सांसदों के लिहाज से बन गई है?

तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने अलग गुट बना कर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी से जुड़ गई इसलिए सुर्खियां एक कम ज्ञात पार्टी की ओर चली गईं, जिसने त्रिपुरा में 2023 के विधानसभा चुनावों में अपनी चुनावी शुरूआत की। दोनों सीटों पर उसने अपनी जमानत गंवा दी।संस्थापक शिउली कुंडू के नेतृत्व में, एनसीपीआई हाल के वर्षों में असम और त्रिपुरा में सक्रिय रहा है। भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, एनसीपीआई ₹पंजीकृत (गैर-मान्यता प्राप्त)₹ पार्टियों में से एक है, जिसका प्रतीक ₹सात किरणों वाली कलम की निब₹ है।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि एनसीपीआई ने असम में हाल के चुनावों में चुनाव लड़ा था या नहीं, लेकिन पार्टी के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि उसने 2023 के त्रिपुरा चुनावों में चार उम्मीदवारों को "उतारा', जिनमें से दो ने पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था।जहांगीर अली (54) और बरजेदा त्रिपुरा (65) ने क्रमशः उनाकोटी जिले के कैलाशहर निर्वाचन क्षेत्र और धलाई जिले के चावमनु निर्वाचन क्षेत्र से एनसीपीआई के टिकट पर चुनाव लड़ा था, जबकि अन्य दो उम्मीदवारों की पहचान की पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। सूत्रों ने कहा कि यह संभावना है कि दोनों पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार थे।जहां तक नतीजों की बात है, पार्टी ने उन दो सीटों पर कुल 822 वोट हासिल किए, जहां उसने अपने उम्मीदवार उतारे थे- एसटी आरक्षित चावमनु में 536 और कैलाशहर में 286।संयोग से, तृणमूल कांग्रेस 696 वोटों के साथ कैलाशहर में तीसरे स्थान पर रही, जो नोटा (537 वोट) से थोड़ा ऊपर है। चावमानु में वह 566 मतों के साथ चौथे स्थान पर रही, जो नोटा (500) से ठीक ऊपर है।

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों द्वारा एनसीपीआई में जाने के अपने इरादे से अवगत कराने के साथ, यह उसी तरह की स्थिति की याद दिलाता है जो 2016 में अरुणाचल प्रदेश में सामने आई थी जब कांग्रेस ने राज्य में अपनी सरकार खो दी थी। पूर्व मुख्यमंत्री नबाम तुकी को छोड़कर पार्टी की पूरी विधायक पार्टी पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल (पीपीए) में शामिल हो गई, जो भाजपा के नेतृत्व वाले नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (एनईडीए) का हिस्सा बन गई थी।

31 दिसंबर, 2016 को, पेमा खांडू और पीपीए के 32 अन्य विधायकों ने भाजपा में वफादारी बदल दी, जिससे भगवा पार्टी को पूर्वोत्तर में अपनी पहली पूर्ण सरकार मिली। इस कदम के बाद 60 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की संख्या 45 तक पहुंच गई। पीपीए की गिनती घटकर 10 रह गई जबकि कांग्रेस के पास केवल तीन सदस्य बचे थे। 2019 में अगले चुनाव में, खांडू ने 60 में से 41 सीटें जीतकर भाजपा के लिए जीत हासिल की।

दरअसल अब कुछ जानकारों के अनुसार एनसीपीआई में विलय करने का बागियों का फैसला दलबदल विरोधी कानून के प्रावधानों को आकर्षित करने से बचने और ₹असली टीएमसी₹ होने का दावा करने के लिए समय खरीदने का एक प्रयास प्रतीत होता है।दसवीं अनुसूची के पैरा 4 के तहत, विलय के मामले में दलबदल के आधार पर अयोग्यता लागू नहीं है। किसी सदन के सदस्य के मूल राजनीतिक दल का विलय ₹यदि और केवल तभी हुआ है जब संबंधित विधायक दल के कम से कम दो-तिहाई सदस्य इस तरह के विलय के लिए सहमत हुए हों₹।

उन्होंने कहा, 'हमने नेशनलिस्ट सिटीजन पार्टी ऑफ इंडिया में विलय कर दिया है। यह एक राजनीतिक दल है। यह एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय पार्टी है। जब आप दो-तिहाई दल के साथ जाते हैं, तो आप पहले दिन ही उस पार्टी के नाम की मांग नहीं कर सकते। जुलाई में, जब संसद फिर से शुरू होगी, तो हम हमें तृणमूल देने की मांग करेंगे क्योंकि हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है। इसके बाद अदालत फैसला करेगी (असली तृणमूल कांग्रेस कौन सी है)₹, 20 बागियों में से एक तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद सुदीप बंदोपाध्याय ने बिड़ला के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा।

हालांकि, टीएमसी नेतृत्व ने महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के 2023 के फैसले का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया था कि एक राजनीतिक दल और विधायक दल अलग-अलग संस्थाएं हैं और पैराग्राफ 4 के तहत सुरक्षा के लिए मूल राजनीतिक दल को भी शामिल करने वाले वैध विलय की आवश्यकता होती है। बंगाल में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्राप्त रीताब्रत बनर्जी ने रविवार को मीडिया को बताया कि राजनीतिक दल को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया भी चल रही है।

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता के अनुसार इक्यानवेंवें संशोधन के बाद सदस्यों का एक निकाय कानूनी रूप से फिर से संगठित हो सकता है, वह है दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 4 के अर्थ के भीतर विलय, जब दो शर्तें पूरी हो जाती हैं झ अर्थात जब राजनीतिक दल का विलय हो जाता है और कुल मिलाकर दो तिहाई विधायक दल बदल जाता है। अभिषेक बनर्जी ने 10 जून को बिड़ला को लिखे पत्र में लिखा था। विद्रोहियों के स्पीकर से मिलने से कुछ देर पहले बिड़ला को पत्र सौंपा गया थइस समय मीडिया में जो दावे चल रहे हैं, वे मानते हैं कि केवल एक शर्त को पूरा करना होगा, जो गलत है। इसलिए, किसी भी तरह से यह स्वीकार किए बिना कि विधायक दल के दो-तिहाई सदस्यों ने दल बदल लिया है, किसी भी पार्टी के साथ राजनीतिक दल का विलय नहीं हुआ है या एआईटीसी नामक एक नई पार्टी का गठन नहीं हुआ है।

डायमंड हार्बर के सांसद ने कहा कि राजनीतिक दल सर्वोच्च है, न कि विधायक दल। ₹न्यायालय ने माना कि यह राजनीतिक दल है, न कि विधायिका दल, जो सदन में सचेतक और पार्टी के नेता की नियुक्ति करता है, और यह कि एक विशेष तरीके से मतदान करने या अनुपस्थित रहने का निर्देश राजनीतिक दल द्वारा जारी किया जाता है, न कि विधायक दल द्वारा। इसका मतलब यह है कि सदस्यों का कोई भी समूह राजनीतिक दल के अधिकार का अपमान करते हुए अपने स्वयं के नेता या सचेतक की नियुक्ति नहीं कर सकता है, या एक अलग इकाई के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं कर सकता है।

यह तर्क देते हुए कि अध्यक्ष ₹राजनीतिक दल को मान्यता देते हैं (और) प्रतिद्वंद्वी गुटों को नहीं,₹ उन्होंने कहा, ₹अदालत ने माना कि जहां दो या दो से अधिक गुट राजनीतिक दल होने का दावा करते हैं, अध्यक्ष को प्रथम दृष्टया यह निर्धारित करना होता है कि राजनीतिक दल दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 2 (1) के तहत अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने के उद्देश्य से कौन है। इस प्रकार ढांचा एक सच्चे राजनीतिक दल का पता लगाने पर विचार करता है, न कि एक गुट को स्वतंत्र मान्यता प्रदान करने पर।

उन्होंने कहा, कोई भी स्वैच्छिक कार्य जिसके द्वारा कोई सदस्य या सदस्य खुद को एक पार्टी/गुट के रूप में रखते हैं, पार्टी के नेता और सचेतक के अधिकार को अस्वीकार करते हैं, या राजनीतिक दल से स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं, राजनीतिक दल की सदस्यता को स्वैच्छिक रूप से छोड़ने के रूप में दसवीं अनुसूची के पैराग्राफ 2 (1) (ए) के तहत अयोग्यता को आकर्षित करेगा। और पैराग्राफ 2(1)(बी) के तहत पार्टी व्हिप के विपरीत मतदान या अनुपस्थिति की स्थिति में।

अभिषेक ने अध्यक्ष से आग्रह किया कि वह एआईटीसी को एक राजनीतिक दल के रूप में मानें जो सदन में प्रतिनिधित्व करता है और एआईटीसी के किसी भी कथित अलग समूह या गुट को कोई मान्यता, दर्जा या सुविधा देने से इनकार करें और बागी समूह द्वारा किसी भी संचार पर कोई निर्णय लेने से पहले एआईटीसी को सुनवाई का अवसर प्रदान करें।

मोदी युग में राष्ट्र-निर्माण: जब नेतृत्व योग्य पेशेवरों को अवसर देता है

-प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी, प्रवक्ता, भाजपा मुंबई

भारत के राजनीतिक इतिहास में हर प्रधानमंत्री की अपनी एक कार्यशैली रही है। किसी ने विचारधारा को प्राथमिकता दी, किसी ने संगठन को, किसी ने प्रशासन को और किसी ने गठबंधन-संतुलन को। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने शासन को केवल राजनीति का विषय नहीं रहने दिया, बल्कि उसे प्रोफेशनल दक्षता, तकनीकी समझ, प्रशासनिक क्षमता और परिणाम आधारित कार्य-संस्कृति से जोड़ा। यही कारण है कि आज भारत केवल योजनाएँ घोषित करने वाला देश नहीं, बल्कि योजनाओं को जमीन पर उतारने वाला राष्ट्र बनकर सामने आया है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति पर्याप्त नहीं होती। यहाँ योजनाओं को सफल बनाने के लिए नीति-निर्माण, तकनीक, वित्तीय प्रबंधन, डेटा, प्रशासनिक समन्वय और जनभागीदारी—इन सभी की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सच्चाई को बहुत गहराई से समझा। उन्होंने यह दिखाया कि जब राजनीतिक नेतृत्व मजबूत हो और उसके साथ योग्य पेशेवरों की टीम काम करे, तो असंभव लगने वाले लक्ष्य भी संभव हो सकते हैं।

आज भारत की डिजिटल क्रांति इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जनधन, आधार और मोबाइल की त्रिशक्ति ने शासन की दिशा बदल दी। पहले गरीबों के नाम पर योजनाएँ बनती थीं, लेकिन लाभ बीच रास्ते में ही गायब हो जाता था। मोदी सरकार ने तकनीक के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते तक पैसा पहुँचाने की व्यवस्था मजबूत की। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर प्रहार हुआ, बल्कि गरीबों का विश्वास भी शासन व्यवस्था में बढ़ा। यह केवल राजनीतिक घोषणा नहीं थी, यह प्रोफेशनल प्रशासनिक सोच का परिणाम था।

इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों को छत देने का कार्य किया। उज्ज्वला योजना ने गरीब माताओं-बहनों को धुएँ से मुक्ति दिलाई। आयुष्मान भारत ने सामान्य परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा दिया। गरीब कल्याण अन्न योजना ने कठिन समय में करोड़ों लोगों के घर का चूल्हा जलाए रखा। इन योजनाओं के पीछे केवल संवेदना नहीं, बल्कि सुव्यवस्थित क्रियान्वयन की शक्ति भी दिखाई देती है। मोदी जी की सबसे बड़ी

उपलब्धि यह है कि उन्होंने शासन में मिशन मोड की संस्कृति विकसित की। लक्ष्य तय होता है, समयसीमा तय होती है, जिम्मेदारी तय होती है और फिर परिणाम पर निगरानी होती है। यही कारण है कि स्वच्छ भारत अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि जन आंदोलन बन गया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ ने सामाजिक चेतना को छुआ। स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया ने युवाओं को नए अवसरों से जोड़ा।

आज भारत 2047 के अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का जो सपना रखा है, वह केवल चुनावी नारा नहीं है। वह एक स्पष्ट राष्ट्रीय रोडमैप है। इस रोडमैप में युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान कल्याण, गरीब उत्थान, औद्योगिक विकास, सांस्कृतिक गौरव और वैश्विक नेतृत्व—इन सभी को स्थान दिया गया है। यह वही दृष्टि है जिसमें विरासत और विकास साथ-साथ चलते हैं।

कई लोग राजनीति को केवल विरोध का माध्यम समझते हैं। लेकिन राष्ट्र-निर्माण केवल नारेबाजी से नहीं होता। देश को आगे बढ़ाने के लिए संगठन चाहिए, नीति चाहिए, अनुशासन चाहिए और समर्पित नेतृत्व चाहिए। कुछ तथाकथित आंदोलनकारी शक्तियाँ युवाओं को भ्रमित करके भीड़ तो इकट्ठी कर सकती हैं, लेकिन राष्ट्र का भविष्य नहीं बना सकतीं। राष्ट्र निर्माण के लिए केवल आक्रोश नहीं, बल्कि दिशा चाहिए। केवल शोर नहीं, बल्कि समाधान चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत के युवा विपक्षी भ्रम, नकारात्मक राजनीति और अव्यवस्था फैलाने वाली ताकतों से दूर रहें। युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। यदि यह शक्ति शिक्षा, स्टार्टअप, नवाचार, सेना, विज्ञान, तकनीक, खेल और राष्ट्र सेवा में लगेगी तो भारत को विश्वगुरु बनने से कोई रोक नहीं सकता। लेकिन यदि यही युवा शक्ति केवल विरोध, अविश्वास और अस्थिरता के रास्ते पर धकेली गई, तो इसका नुकसान देश को होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को केवल भाषण नहीं दिया, अवसर दिए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म दिए, स्टार्टअप का वातावरण दिया, कौशल विकास के मार्ग खोले, नई शिक्षा नीति दी, खेलो इंडिया जैसा मंच दिया और वैश्विक भारत का आत्मविश्वास दिया। आज भारत का युवा दुनिया में सिर ऊँचा करके कह सकता है कि वह एक ऐसे भारत का नागरिक है जो झुकता नहीं, रुकता नहीं और थकता नहीं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोदी जी ने भारत की गरिमा को नई ऊँचाई दी है। रूस हो, अमेरिका हो, यूरोप हो या वैश्विक दक्षिण—भारत आज अपनी शर्तों पर संवाद करता है। भारत ने यह स्पष्ट किया है कि वह किसी दबाव में नहीं, बल्कि राष्ट्रहित के आधार पर निर्णय लेगा। यही आत्मनिर्भर विदेश नीति है। यही नया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली हमें यह सिखाती है कि योग्य नेतृत्व वही है जो केवल अपने लोगों को नहीं, बल्कि योग्य लोगों को अवसर देता है। राजनीति में पेशेवर क्षमता का सम्मान होना चाहिए। देश को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों, प्रशासकों, तकनीकी जानकारों, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों और युवा नवाचारकताओं की भागीदारी आवश्यक है। मोदी जी ने शासन को इसी दिशा में आगे बढ़ाया है।

भारत का लोकतंत्र मजबूत है। यहाँ विरोध का अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता स्वीकार नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन वोट से होता है, हिंसा से नहीं; नीति से होता है, भीड़ से नहीं; विचार से होता है, विध्वंस से नहीं। इसलिए आज देश के युवाओं को यह समझना होगा कि भारत का भविष्य नकारात्मक राजनीति में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में है।

मोदी युग का संदेश स्पष्ट है—
देश पहले, राजनीति बाद में।
विकास पहले, विरोध बाद में।
कर्तव्य पहले, अधिकार बाद में।

जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा नेतृत्व देश को 2047 के विकसित भारत की दिशा में ले जा रहा है, तब हर नागरिक, विशेष रूप से हर युवा का कर्तव्य है कि वह इस यात्रा में सहभागी बने। भारत को रोकने वाली शक्तियाँ बहुत होंगी, भ्रम फैलाने वाले लोग भी होंगे, लेकिन राष्ट्र की चेतना अब जाग चुकी है।

आज भारत आत्मविश्वास से कह सकता है कि

यह समय अवसर का है, निर्माण का है, संकल्प का है।

और इस संकल्प के केंद्र में हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिनके नेतृत्व में भारत केवल आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि दुनिया को दिशा देने की तैयारी कर रहा है।

बोतल में पानी नहीं, मौत का सौदा!

जीवनदायिनी बूंदों पर मुनाफाखोरों का कब्जा

-सुरेश गांधी

एक समय था जब यात्रा के दौरान प्यास लगने पर लोग रेलवे स्टेशन, बस अड्डे या ढाबे पर मटके का पानी पी लेते थे। धीरे-धीरे समय बदला, जीवनशैली बदली और लोगों का भरोसा बोतलबंद पानी पर टिक गया। ₹सीलबंद₹ शब्द सुरक्षा और शुद्धता का पर्याय बन गया। लेकिन अब यही भरोसा दरकता दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के 15 से अधिक जिलों में पैकेज्ड पेयजल के नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मिलने और दूसरी ओर खाली बोतलों में दोबारा पानी भरकर बाजार में बेचने के बढ़ते अवैध कारोबार ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर आम आदमी किस पर भरोसा करे?

यह मामला केवल मिलावटी पानी का नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य, सरकारी निगरानी व्यवस्था, खाद्य सुरक्षा कानूनों और उपभोक्ता अधिकारों से जुड़ा राष्ट्रीय मुद्दा है। यदि समय रहते इस पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले वर्षों में यह समस्या जलजनित रोगों के सबसे बड़े कारणों में बदल सकती है।

वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, चंदौली, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, गोंडा, अंबेडकरनगर, उन्नाव, चित्रकूट, रामपुर, मैनपुरी और लखीमपुर खीरी सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लिए गए पैकेज्ड पानी के नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की पुष्टि ने यह स्पष्ट कर दिया कि समस्या किसी एक जिले तक सीमित नहीं है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा संबंधित कंपनियों की बिक्री रोकना और बाजार से स्टॉक वापस मंगाने के निर्देश देना इस बात का प्रमाण है कि मामला सामान्य नहीं है। प्रश्न यह है कि यदि नियमित जांच नहीं होती तो क्या यह दूषित पानी लाखों लोगों तक पहुंचता रहता? देश के लगभग हर बड़े शहर में रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, धार्मिक स्थल और पर्यटन केंद्र नकली पैकेज्ड पानी के कारोबार के आसान ठिकाने बनते जा रहे हैं।

वाराणसी इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। स्टेशन, घाट, ऑटो स्टैंड और सड़क किनारे बिकने वाली पानी की बोतलों पर शायद ही कोई संदेह करता हो। लेकिन जांच एजेंसियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में खाली बोतलें कबाड़ियों के माध्यम से इकट्ठा की जाती हैं। इन्हें छोटे आरओ प्लांटों या अवैध फिल्टर केंद्रों पर पहुंचाकर सामान्य पानी भर दिया जाता है। नकली ढक्कन, प्लास्टिक सील और लेबल लगाकर इन्हें दोबारा बाजार में उतार दिया जाता है। यानी ग्राहक कीमत असली ब्रांड की चुकाता है, लेकिन उसके हाथ में पहुंचती है एक संदिग्ध बोतल।

कोलीफॉर्म बैक्टीरिया आखिर है क्या?

कोलीफॉर्म बैक्टीरिया स्वयं हमेशा घातक नहीं होता, लेकिन इसकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि पानी किसी स्तर पर मलजनित प्रदूषण के संपर्क में आया है। यदि इसमें ई. कोलाई जैसे रोगजनक जीवाणु मौजूद हों तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। ऐसा पानी पीने से – दस्त, उल्टी, पेट दर्द, बुखार, पेचिश, टाइफाइड, हैजा, किडनी फेल होने जैसी जटिलताएं तक हो सकती हैं। बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं।

क्या केवल पैकेज्ड पानी ही दोषी है?

इस पूरे प्रकरण का एक दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आईआईटी मद्रास के शोधकताओं द्वारा किए गए अध्ययन ने यह साबित किया कि कई बार आरओ मशीन से निकलने वाला पानी पूरी तरह सुरक्षित होता है, लेकिन बाद में घरों में गलत भंडारण के कारण दूषित हो जाता है। 262 नमूनों में से 81 में ई. कोलाई का मिलना इस बात का संकेत है कि पानी की सुरक्षा केवल फिल्टर लगाने से सुनिश्चित नहीं होती। यदि पानी गंदे पात्र में रखा जाए, खुला छोड़ दिया जाए या आरओ की नियमित सर्विसिंग न हो तो वही पानी संक्रमण का स्रोत बन सकता है।

बढ़ती मांग, बढ़ता कारोबार, बढ़ता खतरा

भारत में पैकेज्ड पानी का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। धार्मिक पर्यटन, शहरीकरण, भूजल प्रदूषण और जीवनशैली में बदलाव ने इसकी मांग कई गुना बढ़ा दी है। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, उज्जैन, तिरुपति जैसे धार्मिक नगरों में प्रतिदिन लाखों बोतलें बिकती हैं। जहां मांग बढ़ती है, वहां नकली कारोबार भी तेजी से पनपता है। यही कारण है कि बिना लाइसेंस वाले छोटे प्लांट और अवैध पैकिंग केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं।

कानून हैं, लेकिन पालन कितना?

भारत में पैकेज्ड पेयजल के लिए स्पष्ट मानक निर्धारित हैं। उत्पादन इकाई को लाइसेंस, गुणवत्ता परीक्षण, स्वच्छ पैकिंग और नियमित निरीक्षण जैसी प्रक्रियाओं से गुजरना होता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अनेक छोटे प्लांट बिना पर्याप्त गुणवत्ता नियंत्रण के संचालित होते हैं। प्रश्न यह भी है कि यदि निरीक्षण नियमित और प्रभावी हैं, तो इतनी बड़ी संख्या में दूषित नमूने सामने कैसे आए?

रेलवे और बस अड्डे सबसे संवेदनशील

देश में हर दिन करोड़ों लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हैं। यात्रा के दौरान अधिकांश लोग पानी की बोतल खरीदते हैं। यहीं नकली कारोबारियों की सबसे बड़ी कमाई होती है। स्टेशन परिसर के बाहर, प्लेटफॉर्म के आसपास, बस अड्डों और टैक्सी स्टैंडों पर बिना पहचान वाले विक्रेताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह केवल खाद्य सुरक्षा विभाग का नहीं, बल्कि रेलवे, परिवहन विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का भी साझा दायित्व है।

उपभोक्ता भी निभाएं जिम्मेदारी

सिर्फ सरकार के भरोसे समस्या समाप्त नहीं होगी। उपभोक्ताओं को भी सतर्क रहना होगा। हमेशा सील जांचें। ढक्कन ढीला हो तो बोतल न खरीदें। निर्माण तिथि देखें। बिल लें। उपयोग के बाद बोतल को काटकर या दबाकर नष्ट करें। संदिग्ध बोतल मिलने पर शिकायत करें।

समाधान क्या है?: अब समय केवल कार्रवाई का नहीं, बल्कि व्यापक सुधार का है। सरकार को चाहिए – प्रत्येक जिले में पैकेज्ड पानी की मासिक जांच। रेलवे और बस अड्डों पर विशेष अभियान। नकली पैकिंग पर गैंगस्टर जैसी कठोर कार्रवाई। सभी आरओ प्लांटों का डिजिटल पंजीकरण। क्यूआर कोड आधारित ट्रैकिंग व्यवस्था। उपभोक्ताओं के लिए शिकायत पोर्टल और हेल्पलाइन। स्कूलों और सार्वजनिक संस्थानों में सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता अभियान।

जल ही जीवन है, लेकिन...

भारतीय संस्कृति में जल को जीवन, पवित्रता और अमृत का प्रतीक माना गया है। गंगा जल से लेकर तीर्थों के जल तक हमारी आस्था जुड़ी है। विडंबना यह है कि आधुनिक जीवन में वही जल अब मुनाफाखोरी का माध्यम बनता जा रहा है। जब शुद्ध पानी भी संदेह के घेरे में आ जाए तो यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, सामाजिक विश्वास का भी संकट है। एक सीलबंद बोतल खरीदते समय ग्राहक केवल पानी नहीं खरीदता, वह उस पर अपना भरोसा भी रखता है। यदि वही भरोसा टूट गया तो इसका नुकसान केवल किसी एक कंपनी या शहर का नहीं, बल्कि पूरे समाज का होगा। आज आवश्यकता है कि सरकार, प्रशासन, उद्योग, वैज्ञानिक संस्थान और आम नागरिक मिलकर सुरक्षित पेयजल को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाएं। क्योंकि स्वस्थ

घाटकोपर के हिंदी हाई स्कूल में प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी हाई स्कूल घाटकोपर में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रथम दिन, दिनांक 15 जून 2026 को हिंदी माध्यमिक विभाग द्वारा प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की मुस्कान और उमंग से सराबोर दिखाई दिया। कार्यक्रम में हिंदी विद्या प्रसार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र डी. सिंह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। साथ ही विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें, पेन, चॉकलेट एवं अन्य उपयोगी सामग्री प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित इस प्रवेश उत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन में विद्यालय के प्रति अपनत्व, उत्साह एवं सकारात्मकता का भाव जागृत करना था। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के मन में विशेष आनंद और उत्साह का संचार किया तथा नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ अत्यंत गरिमामय एवं यादगार वातावरण में संपन्न हुआ।

विरार में रमापति मिश्रा के आवास पर अखण्ड रामायण पाठ संपन्न

विरार (उत्तरशक्ति)। विरार स्थित श्रीपाल कम्प्लेक्स परिसर सुधा कलाश बिल्डिंग सी वींग रुम नंबर 10 पर रमापति हीराराम मिश्रा के आवास पर प्रभू राम की कृपा से अधिक मास के इस पावन पर्व पर अखण्ड रामायण पाठ बड़े धूमधाम एवं श्रद्धाभक्ति के साथ आयोजन किया गया। यह आयोजन दिनांक 13 जून 2026 दिन शनिवार से प्रारंभ होकर दिनांक 14 जून दिन रविवार को महाप्रसाद (ब्रम्हभोज) के साथ समापन हुआ। यह कार्यक्रम पंडित रमापति मिश्रा पत्नी पुष्पा मिश्रा परिवार के तरफ से आयोजित किया गया था। इन्होंने सह पत्नी सहित सत्यनारायण कथा के साथ अखण्ड रामायण पाठ श्रद्धा पूर्वक श्रवण किया गया। जिससे बड़े भाई उमाशंकर मिश्र, छोटे भाई सभापति मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, जीजा शेषराज तिवारी, बहन श्रीमती जय देवी तिवारी, आशा द्विवेदी, बिटिया ज्योति , पूजा मिश्रा, शैलेश मिश्रा, काजू , पंडित मिश्रा , मुकेश मिश्रा, योगेश , दीपक मिश्रा , मालीक तिवारी, सूरज तिवारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। बता दें रमापति मिश्रा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा के चचेरे भाई है।

आरोग्य सेवा मेडिकल सेंटर का भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के हाथों हुआ उद्घाटन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में आम नागरिकों को सुलभ एवं किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित आरोग्य सेवा मेडिकल सेंटर का उद्घाटन भाजपा विधायक नरेंद्र मेहता के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि उन्हें स्वास्थ्य सेवा चिकित्सा केंद्र के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आम लोगों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल निश्चित रूप से क्षेत्र के नागरिकों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। मेहता ने इस सराहनीय पहल के लिए पार्षद विवेक उपाध्याय को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही सच्चा धन है और समाज के प्रत्येक वर्ग तक बेहतर चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए इस प्रकार की जनहितकारी पहलों की आज विशेष आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आरोग्य सेवा मेडिकल सेंटर के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा और यह केंद्र जनसेवा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में पार्टी एवं स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की भारी उपस्थिति रही।

पेनियरबाय से जुड़ें और अपनी दुकान की कमाई बढ़ाएं

मुंबई/पटना। डिजिटल युग में अपने बिजनेस को बढ़ाने, नए ग्राहक जोड़ने और महीने के 15,000 प्लस की अतिरिक्त आय कमाने का एक शानदार मौका। पेनियरबाय झ भारत का अग्रणी शाखारहित बैंकिंग और डिजिटल सेवा नेटवर्क अब रिटेलर्स को डिजिटल प्रधान बनने का अवसर दे रहा है। अब किराना दुकान, मोबाइल शॉप या जनरल स्टोर चलाने वाले व्यापारी अपनी ही दुकान से कैश निकासी, मनी ट्रांसफर, मोबाइल रिचार्ज, बिल भुगतान, पैन कार्ड, इंश्योरेंस और लोन जैसी कई वित्तीय सेवाएँ दे सकते हैं और अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। पटना के संदीप कुमार जी, जो एक स्टेशनरी दुकान चलाते हैं, पेनियरबाय के साथ जुड़ने के बाद महीने के 15,000 प्लस की अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं। पहले सिर्फ किताबें, कॉपियां और पेन बेचने वाले संदीप कुमार जी अब कैश निकासी, मनी ट्रांसफर और बिल पेमेंट्स जैसी बैंकिंग सेवाएँ भी देते हैं, जिससे उनके ग्राहक बढ़ गए हैं और उनका बिजनेस और ज्यादा ग्रो हो रहा है। ₹अब मैं स्टेशनरी के साथ ही ग्राहकों को वित्तीय और डिजिटल सेवाएँ भी दे पा रहा हूँ।

3 जुलाई को होने वाले प्रीमियर से पहले आया 'प्रीतम एंड पेड्रो' का ट्रेलर

मुंबई/पटना। एक बेहद दिलचस्प फर्स्ट लुक के बाद, जियोहॉटस्टार ने उस 'प्रीतम एंड पेड्रो' का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया है, जिसने जवाब देने से ज्यादा दर्शकों के मन में कई सवाल छोड़ दिए थे। यह सीरीज कॉमेडी, सस्पेंस, ड्रामे और एक अनोखी पार्टनरशिप से भरपूर, मनोरंजन का एक जबरदस्त डोज होने वाली है। गोवा की चकाचौंध और रंगीन माहौल पर बनी 'प्रीतम एंड पेड्रो' दो बिल्कुल अलग दुनिया के लोगों की कहानी है, जो बेहद अजीब और असामान्य हालातों में एक-दूसरे से टकराते हैं। इस कहानी के केंद्र में पेड्रो और प्रीतम हैं।

राष्ट्रीय चौहान महासंघ की नई कार्यकारिणी घोषित, रामसिंह बित्तन चौहान बने केंद्रीय अध्यक्ष

भिवंडी/कल्याण (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय चौहान महासंघ की केंद्रीय एवं प्रांतीय कार्यकारिणी समितियों की संयुक्त बैठक शनिवार को कल्याण स्थित रेल कामगार सेना भवन में संपन्न हुई। संस्था के संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नरेंद्रकुमार रामउजागर चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए 38 पदाधिकारियों ने भाग लिया। करीब छह घंटे चली बैठक में संगठन विस्तार, वित्तीय लेखा-जोखा, भवन निर्माण और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में वाराणसी के सारनाथ में निमार्णाधीन चौहान धर्मशाला एवं छात्रावास भवन को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का संकल्प लिया गया। साथ ही सदस्यता अभियान को मजबूत करने, ट्रस्ट बोर्ड गठन तथा रक्तदान व स्वास्थ्य शिविर जैसे सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तय की गई। बैठक में वर्ष 2026-29 के लिए नई केंद्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें रामसिंह बित्तन चौहान को केंद्रीय अध्यक्ष, चंद्रप्रकाश राजदेव चौहान को कार्याध्यक्ष, गोविंद कैलाश चौहान को महासचिव तथा रमेश रामकृत चौहान को कोषाध्यक्ष के साथ उपाध्यक्ष और सचिव सहसचिव कुल 27 सदस्यों को शामिल किया गया।

इसके अलावा बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात और दिल्ली प्रदेश इकाइयों के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष पद पर हरिश्चंद्र जीता चौहान को जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक के समापन पर संस्थापक नरेंद्रकुमार रामउजागर चौहान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन आने वाले तीन वर्षों में समाजहित और राष्ट्रहित के कार्यों को नई गति देगा।

भारती एयरटेल ने अफ्रीका स्टेक विलय के लिए मजबूत शेयरधारक समर्थन प्राप्त किया

मुंबई। भारती एयरटेल या कंपनीने आज घोषणा की कि उसके लगभग 100% शेयरधारकों ने अपनी प्रमुख रणनीतिक सहायक कंपनी एयरटेल अफ्रीका पीएलसी में हिस्सेदारी के संकलन के लिए चल रहे समझौते को मंजूरी दे दी है, जो भारत की अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी में कॉर्पोरेट सुशासन के सर्वोच्च मानकों को रेखांकित करने के साथ-साथ निवेशकों के सुदृढ़ विश्वास को भी पुष्ट करता है।। इस लेन-देन में भारती एयरटेल इंडियन कांटिनेंट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड, एक प्रमोटर समूह संस्थान, को अधिमान्य आधार पर अपने इक्विटी शेयर जारी कर रहा है, बदले में एयरटेल अफ्रीका में 16.31% हिस्सेदारी लेने के लिए। इस प्रस्ताव को सार्वजनिक एवं संस्थागत निवेशकों सहित शेयरधारकों से अत्यधिक समर्थन प्राप्त हुआ, जो इसके रणनीतिक औचित्य और दीर्घकालिक मूल्य सृजन की संभावनाओं में विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। यह लेन-देन एक नकदी-रहित शेयर अदला-बदली (शेयर स्वैप) है, जो कंपनी को बिना किसी अतिरिक्त ऋणभार अथवा नकदी बहिर्वाह के एक उच्च-वृद्धि वाली परिसंपत्ति में बड़ी हिस्सेदारी अर्जित कर अपनी आर्थिक भागीदारी बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही, यह समूह की शेयरधारिता संरचना को सरल बनाता है तथा पारदर्शिता को सुदृढ़ करता है, जो कॉर्पोरेट सुशासन एवं पूंजी दक्षता में एक नया प्रतिमान स्थापित करता है। सुनील भारती मित्तल, संस्थापक और चेयरमैन, भारती एंटरप्राइजेज, ने कहा, एयरटेल अफ्रीका हमारी विकास रणनीति के केंद्र में है और यह हमारे एकीकृत राजस्व में लगातार योगदान के साथ मजबूत प्रदर्शन देने के लिए अच्छी स्थिति में है।

मुंबई व वसई ईस्ट के डांस क्लबों में काम करने वाली युवतियों से देह व्यापार कराने वाली महिला एजेंट गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय (एमबीवीवी) के जोन-1 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मानव तस्करी एवं देह व्यापार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला एजेंट को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मीरा रोड स्थित सिनेमैक्स टॉकीज के सामने, सुदामा होटल के पास छापा मारकर एक महिला एजेंट को हिरासत में लिया। जांच के दौरान यह सामने आया कि वह मुंबई और वसई पूर्व के डांस क्लबों में काम करने वाली युवतियों को देह व्यापार के लिए मजबूर करने और ग्राहकों तक पहुंचाने का काम कर रही थी। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो युवतियों को देह व्यापार के दलदल से मुक्त कराकर सुरक्षित रेस्क्यू किया। दोनों युवतियों को आवश्यक सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम (पीटा एक्ट) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच जारी है तथा इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। एमबीवीवी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मानव तस्करी, देह व्यापार या महिलाओं के शोषण से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

नाबालिग पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए राज्य महिला आयोग पहुंची शिवसेना महिला आघाड़ी

मीरा-भाईंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भाईंदर में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों और पेनकरपाड़ा की एक नाबालिग पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर शिवसेना महिला आघाड़ी ने आक्रामक रुख अपनाया है। इसी क्रम में शिवसेना महिला आघाड़ी की जिला आयोजक श्रीमती निशा नरेश नरवेकर ने मुंबई के बांद्रा स्थित महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग के मुख्यालय पहुंचकर आयोग के सदस्य सचिव से मुलाकात की और एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में काशीमीरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि एक नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज है। शिवसेना महिला आघाड़ी का दावा है कि मुख्य आरोपी भाजपा की एक महिला पार्षद का रिश्तेदार है और मामले को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। शिवसेना महिला आघाड़ी ने महिला आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया है कि पीड़िता द्वारा समय-समय पर शिकायत किए जाने के बावजूद उसे अपेक्षित सहायता नहीं मिली। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा कथित रूप से आरोपियों का समर्थन करने वालों की भूमिका की भी जांच करने की मांग की है।

इस संबंध में शिवसेना महिला आघाड़ी की जिला आयोजक निशा नरवेकर ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने राज्य महिला आयोग से मामले में हस्तक्षेप कर पीड़िता को न्याय दिलाने और जांच प्रक्रिया की निगरानी करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करेगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान शिवसेना महिला आघाड़ी की जिला आयोजक श्रीमती निशा नरवेकर, भायंदर पूर्व महिला नगर आयोजक श्रीमती पूजा आमगांवकर, महिला जिला समन्वयक डॉ. प्रीति पाटिल, मीरा रोड महिला नगर आयोजक डॉ. नयना वसानी, भायंदर पश्चिम महिला नगर आयोजक श्रीमती सरिता शिंदे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थीं। नोटः उपरोक्त आरोप शिवसेना महिला आघाड़ी द्वारा महिला आयोग को सौंपे गए ज्ञापन में किए गए हैं। संबंधित आरोपों पर आरोपित पक्ष का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका है।

दचकुल पाड़ा और माशाचा पाड़ा विद्यालयों में उत्साह के साथ मनाया गया प्रवेशोत्सव

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड में नए शैक्षणिक वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर आज ढाचकुल पाड़ा एवं माशाचा पाड़ा स्थित विद्यालयों में विद्यार्थियों के प्रवेशोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा उन्हें शैक्षणिक सामग्री वितरित कर नए शैक्षणिक सत्र के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद श्रीमती ज्योत्सना हसनले, श्रीमती यशोदा अनिल ताटे, मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे, कार्यकारी अभियंता नितिन मुकाने, अभियंता प्रफुल वानखेड़े तथा श्री अक्षय बाघुल उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए नियमित अध्ययन, अनुशासन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने जीवन में ऊंचे लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। प्रवेशोत्सव के दौरान विद्यार्थियों के चेहरों पर दिखाई दे रही खुशी और उत्साह ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायी माहौल में संपन्न हुआ। अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

मीरा-भायंदर सीमा पर राष्ट्रीय राजमार्ग के लंबित कार्य को लेकर मंत्री प्रताप सरनाईक की ठेकेदार को अंतिम चेतावनी, 20 जून की डेडलाइन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर मानसून सिर पर होने के बावजूद मीरा-भायंदर सीमा पर दिल्ली दरबार होटल के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग का कार्य अब तक अधूरा होने से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी पृष्ठभूमि में महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबुराव सरनाईक ने 14 जून को, एक बार फिर इस क्षेत्र का आक्रामक निरीक्षण दौरा किया। कार्य में हो रही देरी को देखकर नाराज मंत्री सरनाईक ने ठेकेदार, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (ठलअक) के अधिकारियों तथा एमएमआरडीए (टटफऊअ) प्रशासन को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई। साथ ही उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि, 20 जून तक यह सड़क हर हाल में शुरू हो जानी चाहिए, अन्यथा मैं सीधे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के पास आपकी गंभीर शिकायत करूंगा। वादे करने वाले ठेकेदार अपने ही शब्दों पर खरे नहीं उतरे इससे पहले किए गए निरीक्षण के दौरान संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों ने 10 जून तक कार्य पूरा करने की अंतिम समयसीमा मांगी थी। लेकिन आज के निरीक्षण में यह स्पष्ट हो गया कि ठेकेदार का वादा भी बारिश की तरह टल गया। कार्य की धीमी गति के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रतिदिन भारी यातायात जाम लग रहा है, जिससे हजारों वाहन चालकों का समय और ईंधन दोनों बर्बाद हो रहे हैं। यातायात जाम से जनता को हो रही कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए मंत्री सरनाईक ने ठेकेदार की कड़ी आलोचना की और स्पष्ट किया कि अब किसी भी प्रकार का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। दुर्घटनाओं को निमंत्रण देने वाले अंधेरे का जल्द होगा अंत राजमार्ग के इस हिस्से में स्ट्रीट लाइट न होने के कारण रात के समय दुर्घटनाओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। इस गंभीर समस्या को उठाते हुए मंत्री सरनाईक ने नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से रखा।

उन्होंने कहा, इस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट न होने के कारण निर्दोष लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। इसे रोकने के लिए यहां तत्काल स्ट्रीट लाइट लगाने के निर्देश दिए गए हैं और जल्द ही यह पूरा क्षेत्र रोशनी से जगमगा उठेगा। कोई राजनीतिक दिखावा नहीं; 20 जून को जनता के हाथों होगा मार्ग का उद्घाटन राजनीतिक और वीआईपी संस्कृति से हटकर मंत्री प्रताप सरनाईक ने एक महत्वपूर्ण और सराहनीय निर्णय की घोषणा की। उन्होंने कहा, यह राजमार्ग आम जनता के पैसों से और उनके अधिकार के लिए बनाया जा रहा है। पहले से ही जनता यातायात जाम से परेशान है, इसलिए इसके उद्घाटन के लिए कोई बड़ा राजनीतिक समारोह या लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा।

ठेकेदार द्वारा दिए गए लिखित आश्वासन के अनुसार, 20 जून को यह राजमार्ग सीधे आम जनता के हाथों यातायात के लिए खोला जाएगा।

अब प्रशासनिक अधिकारी और ठेकेदार 20 जून की इस अंतिम समयसीमा का पालन करते हैं या फिर केंद्रीय मंत्री के रोष का सामना करते हैं, इस पर पूरे मीरा-भायंदर के नागरिकों की नजरें टिकी हुई हैं।

चेंबूर में गुल्ली डंडा प्रतियोगिता संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज हमारे देशी खेल विलुप्त होते जा रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए चेंबूर हाई स्कूल में उपनगर जिला विटी - दांडू एसोसिएशन मुंबई और युवा चेंबूर प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में मुंबई महापौर चषक गुल्ली-डंडा प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्कूली छात्रों ने हिस्सा लिया। खास बात यह है कि गुल्ली डंडा की प्रतियोगिता को देखने के लिए छात्रों में काफी उत्साह दिखाई दिया। प्रतियोगिता में प्रमुख रूप से एम पश्चिम प्रभाग समिति अध्यक्ष आशा ताई मराठे, शिक्षण समिति की अध्यक्षा राजेश्री शिरवाड़कर चेंबूर के युवा समाजसेवक जयप्रकाश अग्रवाल सहित अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। प्रतियोगिता में समाजसेवक जयप्रकाश अग्रवाल ने स्वयं गुल्ली डंडा खेलते हुए बताया कि मैदान पर खुद इस पारंपरिक खेल का मजा लेकर मुझे बहुत खुशी हुई।

आज के मॉडर्न जमाने में हमारी महाराष्ट्र की मिट्टी की शान गुल्ली-डंडा खेल को बचाकर रखना और अगली पीढ़ी तक पहुंचाना समय की जरूरत है।

इतना सुंदर और शानदार कॉम्पिटिशन ऑर्गनाइज करके हमारी संस्कृति की विरासत को ज़िंदा रखने के लिए वाबले सर और लिमकर सर का आभार जयप्रकाश अग्रवाल ने जताया। अग्रवाल ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों का जोश, दर्शकों का प्रतिसाद और महाराष्ट्र के पारंपरिक खेलों के लिए प्यार देखकर बहुत खुशी हुई। ऐसी एक्टिविटीज हमारी मिट्टी के खेलों को नई एनर्जी और पहचान दे रही हैं।

बच्चों का हुआ भव्य स्वागत, पुष्पवर्षा और नोटबुक वितरण कर बढ़ाया उत्साह

भिवंडी/कल्याण (उत्तरशक्ति)। नए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन विद्यार्थियों में विद्यालय के प्रति उत्साह और अपनापन बढ़ाने के उद्देश्य से पिसवली स्थित समाज उद्धार समिति द्वारा संचालित श्रीमती जीआरसी हिंदी हाई स्कूल में सोमवार को शाला प्रवेशोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान शिवसेना नगरसेवक कुणाल पाटिल, समिति के संचालक बबन चौबे, विद्यालय की मुख्याध्यापिका पुष्पा शुक्ला, डॉ. जे.पी. शुक्ला तथा शिक्षकों ने विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर बच्चों को नोटबुक भी वितरित की गईं। डॉ. जे.पी. शुक्ला ने कहा कि शाला प्रवेश उत्सव का मुख्य उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और विद्यालय के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में इस प्रकार के आयोजन होने चाहिए, जिससे विद्यार्थियों के मन में पहले दिन से ही पढ़ाई के प्रति उत्साह और नई ऊर्जा का संचार हो। वहीं नगरसेवक कुणाल पाटिल ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला और बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

आंख में घुसे कांच के दो बड़े टुकड़े, नानावटी मैक्स के डॉक्टरों ने 44-वर्षीय व्यक्ति की आंख बचाई

मुंबई। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ और गंभीर ऑक्युलर ट्रॉमा (आंख की चोट) के मामले में सफलतापूर्वक इलाज किया है।

इससे 44-वर्षीय व्यक्ति की आंख बचाने में मदद मिली है। काम के दौरान एक दुर्घटना के कारण एयरपोर्ट पर काम करने वाले सचिन निकम की बायीं आंख में उन्हीं के चश्मे के टूटे हुए दो बड़े टुकड़े घुस गए थे।

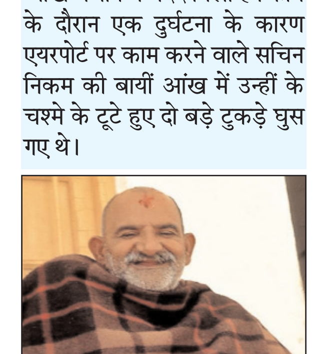

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ब्राह्मण सेवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित सवर्ण महासम्मेलन में दिखी सवर्णों की ताकत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ब्राह्मणों के सम्मान और स्वाभिमान के लिए आवाज उठाने वाली प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था ब्राह्मण सेवा फाउंडेशन द्वारा 14 जून को मीरा रोड स्थित शिवार गार्डन में सवर्ण महासम्मेलन और स्वागत समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में समाज के प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में मुकेश त्रिपाठी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सुप्रसिद्ध गायक मुकेश त्रिपाठी रागिनी प्रजापति और राजू दुबे द्वारा गीत प्रस्तुत किए गए। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजन मिश्रा और निशा तिवारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में सवर्ण समाज के हितों और भविष्य को लेकर भी आत्म मंथन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में उत्तर भारतीय शिवसेना नेता विक्रम प्रताप सिंह, बबन चौबे, विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष मित्रेश चतुर्वेदी, करनी सेना के वापी अध्यक्ष मनोज सिंह, शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे, नगरसेवक मनोज नारायण दुबे, नगरसेविका नीला सोंस, नगरसेविका स्नेहा शैलेश पांडे, वरिष्ठ समाजसेवी रत्नाकर मिश्रा, युवा उद्योगपति राहुल दुबे, उद्योगपति प्रेम पांडे, कुंडा प्रतापगढ़ से संतोष पांडे समेत अनेक लोगों का समावेश रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र उपाध्याय, शैलेंद्र द्विवेदी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट राहुल उपाध्याय, नीतीश उपाध्याय, निलेश पांडे, डॉ राजेश तिवारी, अभिषेक पांडे, के के मिश्रा, बाबूलाल शर्मा, राजेश दुबे, शेखर मिश्रा, आशीष मिश्रा, गणेश दुबे, अंकित मिश्रा, महिला संघ की राष्ट्रीय सचिव कविता पांडे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कविता दुबे, शहर अध्यक्ष सरिता तिवारी, रंजना उपाध्याय, पूजा पांडे, अर्चना मिश्रा, राजश्री झा, अंजना शर्मा प्रीति उपाध्याय का सुंदर सहयोग रहा। अंत में संस्था के अध्यक्ष राजन मिश्रा ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

2.29 करोड़ की लागत से आवासीय भवनों का शिलान्यास, जनकल्याण शिविर का शुभारंभ

करंजाकला ब्लॉक को मिली बड़ी सौगात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड करंजाकला को सोमवार को बड़ी सौगात मिली, जब प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने ब्लॉक परिसर में 2.29 करोड़ की लागत से बनने वाले आवासीय भवनों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने जनकल्याण शिविर का उद्घाटन कर विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख पूनम यादव द्वारा राज्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने के साथ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और विधिवत पूजन के बीच आवासीय भवनों की आधारशिला रखी गई। बताया गया कि इन भवनों के निर्माण से ब्लॉक प्रशासन की कार्यक्षमता और सुविधाओं में वृद्धि होगी।

शिलान्यास के बाद राज्यमंत्री ने जनकल्याण शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान 'मोदी सरकार के 12 वर्ष : हर परिवार को सुरक्षा देने वाले वर्ष' थीम पर आधारित स्वास्थ्य शिविरों और स्वयं सहायता समूहों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

राज्यमंत्री ने शिविर में गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित किया और नन्हें बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे शिविर जनसेवा का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख पूनम यादव, जिला महामंत्री अजय सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव 'मम्मन', प्रदीप तिवारी, धर्मेंद्र मिश्रा, राजकेशर पाल, जनकल्याण शिविर संयोजक रविंद्र सिंह 'राजू दादा', प्रधान संघ अध्यक्ष मनीषा यादव, बीडीओ करंजाकला सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

शोध से ऊर्जा, उद्योग और आधुनिक तकनीक को मिलेगी नई दिशा

प्रो.देवराज सिंह के निर्देशन में हुआ शोध कार्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुए दो महत्वपूर्ण शोध कार्य भविष्य में ऊर्जा संरक्षण, औद्योगिक विकास और आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकते हैं। भौतिक विज्ञान विभाग के अंतर्गत किए गए इन अध्ययनों में ऐसे पदार्थों और नैनो द्रवों के गुणों का विश्लेषण किया गया है, जिनका उपयोग बेहतर ऊर्जा प्रबंधन, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, ताप नियंत्रण प्रणालियों और औद्योगिक उत्पादन में किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. देवराज सिंह के निर्देशन में शोधार्थी ज्योत्सना चौहान और प्रवीण सिंह की पीएचडी मौखिक परीक्षा संपन्न हुई। दोनों शोधार्थियों ने अपने-अपने शोध कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण करते हुए उनके वैज्ञानिक और सामाजिक महत्व को रेखांकित किया।

शोधार्थी ज्योत्सना चौहान ने ठोस पदार्थों एवं नैनो द्रवों के अल्ट्रासोनिक, यांत्रिक और तापीय गुणों पर आधारित अपने शोध में विभिन्न अर्धचालक पदार्थों तथा धात्विक ऑक्साइडों का अध्ययन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इन पदार्थों के गुणों की बेहतर समझ भविष्य में ऊर्जा दक्ष उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी और ताप प्रबंधन प्रणालियों के विकास में सहायक हो सकती है। साथ ही टाइटेनियम डाइऑक्साइड और एल्युमीनियम ऑक्साइड आधारित नैनो द्रवों के अध्ययन से ऊष्मा संचरण क्षमता बढ़ाने की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया, जिसका उपयोग उद्योगों, शीतलन प्रणालियों और ऊर्जा क्षेत्र में किया जा सकता है।

वहीं शोधार्थी प्रवीण सिंह ने संघनित पदार्थों के अल्ट्रासोनिक और ताप-भौतिक गुणों पर आधारित अपने शोध में विभिन्न धात्विक कार्बाइड, नाइट्राइड तथा अन्य विशेष पदार्थों के गुणों का विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि इन पदार्थों का उपयोग उच्च तापमान वाले औद्योगिक उपकरणों, उन्नत मशीनों, इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों और रक्षा तथा अंतरिक्ष तकनीक से जुड़े क्षेत्रों में किया जा सकता है। उनके अध्ययन से ऐसे पदार्थों की पहचान और उपयोगिता को समझने में मदद मिलेगी, जो भविष्य की तकनीकों के लिए आधार बन सकते हैं।

मौखिक परीक्षा में वाह्य विशेषज्ञों ने शोधार्थियों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। दोनों शोधार्थियों ने अपने शोध से जुड़े प्रश्नों के स्पष्ट और संतोषजनक उत्तर दिए, जिसके बाद उनके कार्यों की सराहना की गई।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह, बाह्य परीक्षकगण, शोध निर्देशक प्रो. देवराज सिंह, रज्जू भैया संस्थान के प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने दोनों शोधार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे शोध कार्य केवल अकादमिक उपलब्धि नहीं हैं, बल्कि समाज, उद्योग और विज्ञान के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

इन शोधों से यह उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में ऊर्जा की बचत, औद्योगिक उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार, उन्नत तकनीकों के विकास और वैज्ञानिक अनुसंधान के नए आयाम स्थापित करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

जलालपुर बाजार में पागल कुत्ते का कहरः एक दर्जन से अधिक लोगों पर हमला, कई घायल रेफर

प्रियेश गुप्ता रुद्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार में रविवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक कथित पागल कुत्ते ने अचानक लोगों पर हमला कर दिया। देखते ही देखते कुत्ते ने एक दर्जन से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया, जिससे पूरे बाजार में दहशत का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे लोग अपने-अपने कार्यों में व्यस्त थे और कई राहगीर बाजार से गुजर रहे थे। तभी एक उग्र कुत्ता तेजी से दौड़ता हुआ आया और लोगों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हमले में हरेंद्र कुमार कैलाश गुप्ता 75 वर्मा, राम शनीचर 50 वर्ष शर्मा, उमेश कुमार सोनकर, नितिन कुमार गुप्ता 18 वर्ष, कैलाश कुमार अग्रहरी 8 वर्ष बच्ची समेत कई लोग घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि घायल कैलाश अग्रहरी के चेहरे पर कुत्ते ने गंभीर हमला किया, जिससे उनका चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालपुर ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद करीब आधा दर्जन घायलों को जिला अस्पताल जौनपुर रेफर कर दिया गया।

घटना के बाद बाजार में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में आवारा और खतरनाक कुत्तों की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में डॉग बाइट के मरीज पहुंच रहे हैं, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर नियंत्रण और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

बेनियाबाग हरिजन बस्ती में सोते समय युवक की गोली मारकर हत्या

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। चौक थाना क्षेत्र के बेनियाबाग हरिजन बस्ती में रविवार तड़के चारपाई पर सो रहे राजन नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मौके से पुलिस को दो खोखे भी मिले हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, राजन की दो पत्नियां हैं। एक पत्नी मिर्जापुर के नारायणपुर में रहती है, जबकि दूसरी बेनियाबाग हरिजन बस्ती में रहती है। बताया जा रहा है कि आगामी 20 जून को दूसरी पत्नी के पुत्र की सगाई होनी है, जिसमें शामिल होने के लिए राजन नारायणपुर से बेनियाबाग आया था। घटना के समय राजन अपने पुत्र के साथ चारपाई पर सो रहा था। हमलावर ने सोते समय उसे गोली मार दी, जबकि बगल में सो रहे पुत्र को घटना की भनक तक नहीं लगी। सूचना पर चौक पुलिस के साथ एडीसीपी काशी जोन वैभव बांगर भी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की।

काशी का सितारा राहुल का जीत पर शहर ने किया सम्मान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के अंडर-18 हॉकी एशिया कप 2026 में भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाले वाराणसी के युवा खिलाड़ी राहुल यादव का रविवार को भव्य अभिनंदन किया गया। बीएचयू गेट से सीर गोवर्धनपुर तक निकाले गए विशाल जुलूस में नागरिकों, खेल प्रेमियों और युवाओं ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। सम्मान समारोह में वक्ताओं ने राहुल की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें काशी के युवाओं के लिए प्रेरणा बताया। राहुल की इस उपलब्धि से पूरे शहर में गर्व और उत्साह का माहौल है।

राम आसरे प्रधान, जय प्रकाश मंत्री, जागेश्वर प्रसाद संगठन मंत्री चुने गये

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के चहारसू चौराहे के पास स्थित आर्य समाज मन्दिर पर भारतीय योग संस्थान के केन्द्रीय पर्यवेक्षक/जिला प्रधान इलाहाबाद जय प्रकाश श्रीवास्तव व अम्बेडकरनगर के जिला प्रधान आसाराम वर्मा के नेतृत्व में जनपद इकाई का चुनाव सम्पन्न हुआ। इस मौके पर सर्वसैम्मत से जिला प्रधान राम आसरे साहू चुने गये। साथ ही जिला मंत्री जय प्रकाश श्रीवास्तव, संगठन मंत्री जागेश्वर प्रसाद केसरवानी, क्षेत्रीय प्रधान ममता देवी और पीताम्बर दास साहू को चुना गया। इसी क्रम में भारतीय योग संस्थान के आर्य समाज के केन्द्र प्रमुख राजेश सेठ, भगत सिंह पार्क के केन्द्र प्रमुख विमला अग्रवाल, क्षेत्रीय मंत्री शशि कुशवाहा, पॉलिटेक्निक क्षेत्र के केन्द्र प्रमुख गिरीश चन्द्र चौबे और मंत्री बृजसेन एडवोकेट को चुना गया। इस अवसर पर आत्माराम, आलोक सेठ, अतुल साहू, चन्दन सेठ, पुष्पा सेठ, धीरज गुप्ता, रीता केसरवानी, जयंती साहू, अनीता जायसवाल, पूनम जायसवाल, वन्दना गुप्ता, शकुंतला गुप्ता, कामिनी अग्रहरि, शोभा गुप्ता, शशि गुप्ता सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

बुलंदशहर में जौनपुर का परचम, गतका स्टेट चैंपियनशिप में 12 पदक जीतकर खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दूसरा गतका गोल्ड कप उत्तर प्रदेश स्टेट चैंपियनशिप 2026 में जौनपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया। बुलंदशहर में आयोजित इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जौनपुर की 13 सदस्यीय टीम ने 3 स्वर्ण पदकों सहित कुल 12 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में शिवम कुमार, उत्कर्ष यादव और सुहानी राय ने व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। वहीं आयुष जायसवाल, आदर्श निषाद, आयुष सरोज और आदर्श भास्कर ने रजत पदक हासिल किया। मयंक गुप्ता, पार्थ मिश्र, आदित्य, चेतना सिंह और अंशिका मौर्य ने कांस्य पदक जीतकर जौनपुर का नाम रोशन किया।

टीम स्पर्धा में लड़कियों की टीम ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि लड़कों की टीम ने रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इस चैंपियनशिप में नेहरू बालोद्यान सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कन्हईपुर के सर्वाधिक 10 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसके अलावा होली चाइल्ड एकेडमी, रुहट्टा तथा प्रकाश ग्लोबल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जगदीशपुर के खिलाड़ियों ने भी जिले का प्रतिनिधित्व किया।

रविवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने अपने कार्यालय में खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

टीम की सफलता में कोच शैलेन्द्र निषाद, महिला कोच स्नेहा पाण्डेय, टीम मैनेजर कुणाल यादव तथा रेफरी लालजी निषाद और रौनक निषाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है। जौनपुर की इस सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जिले के खिलाड़ी प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराने में सक्षम हैं।

अपराधियों का पीछा करने वाला सिपाही आज अपनी ही चोरी की रिपोर्ट के लिए भटक रहा दर-दर

पूर्व पुलिसकर्मी के बंद मकान से लाखों की चोरी, शिकायत के बाद भी मुकदमा दर्ज न होने का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कभी अपराधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने वाले एक जांबाज सिपाही को आज अपने ही घर में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। यह मामला पुलिस व्यवस्था की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर रहा है। नगर कोतवाली क्षेत्र के ख्वाजादोस्त (भोराजीपुर) निवासी रामलखन यादव पुलिस विभाग में सिपाही पद पर तैनात रहे हैं। सेवा काल के दौरान वह कुख्यात अपराधी प्रकाश पाक्या, बालू केवट समेत कई चर्चित अपराधियों के खिलाफ चलाए गए अभियानों और पुलिस मुठभेड़ों में शामिल रहे। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पहचान रखने वाले रामलखन यादव आज खुद न्याय की आस में भटकने को मजबूर हैं।

पीड़ित रामलखन यादव द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र के अनुसार 10 जून की रात अज्ञात चोरों ने उनके बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात तथा 20 हजार रुपये नकद पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी 11 जून को नगर कोतवाली पुलिस को लिखित रूप से दी गई, लेकिन आरोप है कि अब तक न तो मुकदमा दर्ज किया गया और न ही कोई प्रभावी कार्रवाई की गई।

चोरी गए सामान में सोने का झाला, टप्स, मंगलसूत्र, अंगूठियां, मांगटीका, नथिया, चांदी के सिक्के, पायल, चांदी का गिलास, करधन समेत अन्य कीमती आभूषण शामिल हैं।

पीड़ित का कहना है कि थाना स्तर पर सुनवाई न होने के कारण उन्हें पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। मामला पुलिस महकमे में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि एक पूर्व पुलिसकर्मी को अपनी शिकायत पर कार्रवाई के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, तो आम नागरिकों की स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। अब सभी की निगाहें पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि वर्षों तक अपराधियों के खिलाफ मोर्चा संभालने वाले इस पूर्व सिपाही को न्याय दिलाने में पुलिस कितनी तत्परता और संवेदनशीलता दिखाती है।

रक्तदान महादानः विश्व रक्तदान दिवस पर लायंस क्लब रॉयल ने जुटाए 15 यूनिट रक्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा नगर के ईशा हॉस्पिटल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाजसेवा के इस अभियान में 15 लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की, जबकि 25 लोगों ने भविष्य में जरूरत पड़ने पर रक्तदान करने का संकल्प लिया।

शिविर का शुभारंभ क्लब अध्यक्ष संजीव साहू के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सकता है। निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दशार्ते हैं और जरूरतमंदों की सहायता का प्रभावी माध्यम बनते हैं। नवचयनित अध्यक्ष अभिताश गुप्ता ने रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। शिविर में अभिताश गुप्ता, बालकृष्ण साहू, रवि गुप्ता, राजेश किशोर श्रीवास्तव और गोपाल जी साहू सहित कई लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं का उत्साह देर शाम तक बना रहा। ईशा हॉस्पिटल की डॉ. स्मिता श्रीवास्तव ने रक्तदाताओं का स्वागत करते हुए कहा कि एक यूनिट रक्त कई मरीजों के उपचार में उपयोगी साबित होता है। वहीं ब्लड बैंक प्रभारी निर्मल श्रीवास्तव ने क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के अंत में क्लब सचिव बालकृष्ण साहू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान आनंद साहू, राज केशरी, आशीष गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। रक्तदान शिविर ने समाज में सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया।

विपक्ष की राजनीति में सबसे लोकप्रिय नेता हैं अखिलेश यादवः मो.अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि वर्तमान समय में देश की विपक्षी राजनीति में अखिलेश यादव सबसे लोकप्रिय और जनविश्वास वाले नेता के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों, संघर्षों और वैकल्पिक राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा आज अखिलेश यादव हैं। कटघरा स्थित पीडीए भवन में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अरशद खान ने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए अखिलेश यादव ने विकास, आधुनिकता और सामाजिक न्याय को नई दिशा दी। उन्होंने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, मेट्रो परियोजनाओं, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, लैपटॉप वितरण योजना, डायल-100 सेवा तथा किसान एवं युवा हितैषी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये कार्य आज भी जनता के बीच उनकी पहचान बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक विभाजन जैसी समस्याओं से परेशान है। ऐसे समय में अखिलेश यादव पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के साथ-साथ सर्वजन समाज की आवाज बनकर राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आए हैं। अरशद खान ने कहा कि हाल के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के बेहतर प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि जनता संविधान, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने दावा किया कि अखिलेश यादव ने विपक्षी राजनीति को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति में अखिलेश यादव की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होगी। प्रेस वार्ता के अंत में उन्होंने कहा कि समाजवादी विचारधारा और पीडीए आंदोलन लोकतंत्र, सामाजिक समरसता और समान अवसरों को मजबूत करने का कार्य करेगा।

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ निकलेगी भव्य कांवर यात्रा

7 अगस्त को जौनपुर से सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे शिवभक्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बोल बंम कांवरिया संघ जौनपुर की ओर से श्रावण मास में आयोजित होने वाली भव्य कांवर यात्रा एवं शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर एक आवश्यक बैठक शंभूगंज स्थित शिव मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों, संरक्षक मंडल एवं सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस वर्ष की यात्रा की रूपरेखा तय की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान भोलेनाथ की भव्य शोभायात्रा, आकर्षक झांकियों एवं घोड़ों के साथ कांवर यात्रा का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 7 अगस्त (शुक्रवार) को प्रातःकाल हनुमान घाट स्थित चौरा माता मंदिर से यात्रा का शुभारंभ होगा। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों सद्भावना पुल, कजगांव पड़ाव, ओलंदगंज, शाही पुल, कोतवाली चौराहा, सब्जी मंडी, सुत्तहट्टी बाजार, अहियापुर एवं भंडारी रेलवे स्टेशन से होते हुए आगे बढ़ेगी। इसके बाद सभी शिवभक्त ट्रेन के माध्यम से सुल्तानगंज के लिए प्रस्थान करेंगे।

सुल्तानगंज पहुंचकर श्रद्धालु उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल भरेंगे और पैदल यात्रा कर बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। बैठक में यात्रा को भव्य, व्यवस्थित एवं श्रद्धामय बनाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

यह निर्णय संघ के संरक्षक मंडल, पदाधिकारियों, सम्मानित सदस्यों तथा अध्यक्ष सुधीर कुमार साहू, महासचिव विमल सिंह सहित समस्त बम भाइयों की सहमति से लिया गया। श्रावण मास में शिवभक्ति की अलख जगाने वाली इस यात्रा को लेकर शिवभक्तों में अभी से उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

कायस्थ पार्टी का जौनपुर का हुआ विस्तार

जनपद के सभी तहसीलों में पदाधिकारियों को दी गयी जिम्मेदारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के शास्त्री नगर मोहल्ले में स्थित शास्त्री कान्वेंट स्कूल के सभागार में किसान आमजन युवा शोषित ट्रेडर्स हमारी पार्टी (कायस्थ पार्टी) का जिले की सभी तहसीलों में विस्तार करते हुये पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। साथ ही शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी सम्पन्न कराया गया।

शाहगंज तहसील में विवेक अस्थाना को अध्यक्ष, प्रवीण श्रीवास्तव को महासचिव, राकेश श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बदलापुर तहसील में रणवीर प्रकाश श्रीवास्तव को अध्यक्ष एवं संजय दुबे को सामान्य प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मछलीशहर तहसील में डॉ. विभव सिन्हा को अध्यक्ष, सुधीर श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष, मनोज श्रीवास्तव को महासचिव, विजय यादव को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसी क्रम में मडियाहूं तहसील में डा. विजेंद्र श्रीवास्तव को अध्यक्ष, स्वप्निल श्रीवास्तव को शिक्षक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, रेनू श्रीवास्तव को महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, विनय श्रीवास्तव को मीडिया प्रभारी, धीरज श्रीवास्तव को व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। केराकत तहसील में विनय श्रीवास्तव को अध्यक्ष, आनन्द कृष्ण श्रीवास्तव को विधि प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, सुधीर राय को शिक्षक प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, अनीश कुमार को व्यापार प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इसी क्रम में जौनपुर शहर में भी पार्टी का विस्तार करते हुए सैकड़ों लोगों के बीच नगर के भी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया गया जिसमें धर्मेंद्र श्रीवास्तव को व्यापार प्रकोष्ठ का महासचिव, रवि श्रीवास्तव को जिला सचिव, विकास सिन्हा को नगर युवा अध्यक्ष, अरविंद श्रीवास्तव को सचिव, आलोक श्रीवास्तव को सचिव, संतोष श्रीवास्तव को सचिव, रूपेश श्रीवास्तव को सचिव, मधुर श्रीवास्तव को सचिव पद पर मनोनीत करके शपथ ग्रहण कराया गया।

पूर्वांचल को अलग राज्य का दर्जा दिलाना मुख्य उद्देश्यः अंजनी

मोहन अस्थाना को विधि प्रकोष्ठ का उपाध्यक्ष, आनंद मोहन अस्थाना को उपाध्यक्ष, नीरज श्रीवास्तव को सचिव, हेमंत

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंजनी श्रीवास्तव ने सभी पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुये कहा कि कायस्थ पार्टी सर्वसमाज की पार्टी है। इसमें सभी धर्म एवं वर्गों के लोगों का सम्मान किया जाता है तथा सभी को समानता का अधिकार है। पार्टी का उद्देश्य पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि पूर्वांचल को अलग राज्य का दर्जा दिलाना, कर्मचारियों को पुरानी पेंशन दिलाना, बेरोजगारी दूर करने हेतु सार्थक प्रयास करना, किसानों की समस्याओं का उचित समाधान निकालना, सभी कृषि यंत्रों को जीएसटी मुक्त करना और एमएसपी के लिए सार्थक प्रयास करना, समाज के हर धर्म और वर्ग के पिछड़े लोगों का सहयोग करना आदि पार्टी का मुख्य उद्देश्य है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रेमचन्द यादव प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ, मनोज श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, शमशेर शेख जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, अवधेश श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ, सरोज यादव जिलाध्यक्ष पिछड़ा प्रकोष्ठ, शिवेश श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, डॉ. प्रेमचंद जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, भारतीय श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, डा. विवेक श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ, शिवाकांत मिश्रा जिलाध्यक्ष सामान्य प्रकोष्ठ, अशोक श्रीवास्तव प्रमुख महासचिव वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ, विजय श्रीवास्तव उपाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, मनीष निषाद सचिव पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अनुपम श्रीवास्तव ने किया। अन्त में जिलाध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने समस्त आगंतुकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

पंचायत चुनाव तक बनी रहेगी कुर्सी! जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख बन सकते हैं प्रशासक

चुनाव तक अध्यक्ष-प्रमुख संभालेंगे प्रशासक की कमान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव तक जिला पंचायत अध्यक्षों और ब्लॉक प्रमुखों की कुर्सी बरकरार रह सकती है। पंचायती राज विभाग ने उन्हें प्रशासक नियुक्त करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो चुनाव होने तक वे अपने-अपने पदों पर प्रशासक के रूप में कार्य करते रहेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले प्रदेश सरकार 57,694 ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक नियुक्त कर चुकी है। अब जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल 11 जुलाई तथा ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल 19 जुलाई को समाप्त होने जा रहा है। जानकारी के अनुसार, ब्लॉक प्रमुख संघ की मांग के बाद पंचायती राज निदेशालय ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विभागीय अधिकारियों को नियमों के अनुरूप प्रस्ताव को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए हैं। प्रस्ताव को शासन की मंजूरी मिलने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख पंचायत चुनाव संपन्न होने तक प्रशासक की भूमिका में कार्य करेंगे। इस निर्णय से प्रदेश की पंचायत व्यवस्था में प्रशासनिक निरंतरता बनी रहेगी और विकास कार्यों पर भी असर नहीं पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक शासन स्तर पर प्रस्ताव पर विचार चल रहा है और जल्द ही इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

नियमित रक्तदान से बचती हैं अनगिनत जिंदगियां-डॉ. अनिल त्रिपाठी!

होप हॉस्पिटल में 18 लोगों ने रक्तदान कर दिया महादान का संदेश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया। अवलेशपुर स्थित होप हॉस्पिटल में को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शिविर में 18 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर लोगों को जागरूक किया।वरिष्ठ शल्य चिकित्सा एवं एनोरेक्टल सर्जन डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त से कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान की अपील की।भगवान बुद्ध चैरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम ने शिविर में सहयोग किया और लोगों को सामाजिक सेवा के प्रति जागरूक किया। शिविर में रक्तदान के लाभ व आवश्यकता की जानकारी दी गई।इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र श्रीवास्तव, डॉ. जेपी तिवारी, डॉ. दीपिका सिंह, विनीत त्रिपाठी, प्रिंस, आशीष, उपासना, प्रियंका, सदानंद दास, मो. अहमद एवं राहुल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

किसानों को बेहतर पैदावार देने के लिए श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स की नई पहल

डालटनगंज। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग, श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने रांची में आयोजित कार्यक्रम में किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से हाइब्रिड, रिसर्च और सब्जियों के बीजों की नई श्रृंखला लॉन्च की। हाइब्रिड सीड सेगमेंट में कंपनी ने धान के लिए श्रीराम 470 और श्रीराम 735 पेश किए। वहीं रिसर्च सीड सेगमेंट में श्रीराम सुपर 7733 और श्रीराम सुपर 7700 लॉन्च किए गए। सब्जियों के बीजों की श्रेणी में कंपनी ने अर्ली पिकिंग हाइब्रिड टमाटर बीज श्रीराम 2628 को बाजार में उतारा। इस अवसर पर संजय छाबड़ा, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं बिजनेस हेड, श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने कहा कि कंपनी किसानों को आधुनिक बीज, फसल सुरक्षा और पोषण समाधान उपलब्ध कराकर उनकी उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नए उत्पाद कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और किसानों को बेहतर परिणाम देने में सहायक होंगे।

शाहगंज सोंधी ब्लॉक को मिले नए बीडीओ, गजेंद्र प्रताप सिंह ने संभाला कार्यभार

खेतासराय, जौनपुर। विकास खंड शाहगंज सोंधी में नवागत खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) गजेंद्र प्रताप सिंह ने विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। ब्लॉक कार्यालय पहुंचने पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बुके भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यभार संभालने के बाद बीडीओ गजेंद्र प्रताप सिंह ने विकास कार्यों की समीक्षा की और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्ध तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वागत कार्यक्रम में एडीओ पंचायत दीपक यादव, पंचायत सचिव सुजीत यादव, संजय यादव, जेई शशिकांत कुमार, एडीओ कृषि धर्मेंद्र कुमार सरोज, विनोद यादव सहित ब्लॉक कार्यालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने नवागत बीडीओ का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

राजातालाब हाईवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की हुई दर्दनाक मौत!

वाराणसी (उत्तरशक्त) । जनपद के राजातालाब। स्थानीय थाना क्षेत्र के राजातालाब कचनार स्थित बीआरसी के सामने मोहनसराय से राजातालाब की तरफ जाने वाली हाईवे सड़क पर सोमवार की भोर में लगभग 4:30 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी।हादसा इतना भीषण था कि मृतक की शिनाख्त करना मुश्किल हो गया। घटना के दौरान अज्ञात वाहन मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे राजातालाब चौकी इंचार्ज राजेश मौर्य ने उक्त मृतक व्यक्ति के क्षत विक्षत शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा। राजातालाब चौकी इंचार्ज ने बताया कि उक्त मृतक के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था।नग्नावस्था में होने के कारण मृतक अर्धविक्षिप्त होने की आशंका जतायी।

चर्चित प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह हत्याकांड में एक लाख का इनामी बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। चर्चित प्रॉपर्टी डीलर एवं जौनपुर जनपद के सिकरारा थाना क्षेत्र स्थित टेकारी गांव निवासी संदीप सिंह हत्याकांड में उत्तर प्रदेश एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने मामले में एक लाख रुपये के इनामी आरोपी गंगाराम यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी को देर रात आलमबाग बस स्टेशन के पास से दबोचा गया। संदीप सिंह की 27 मई 2026 को पीजीआई थाना क्षेत्र में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 291/2026 दर्ज किया गया था। एसटीएफ इससे पहले मामले के मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरफ्तार गंगाराम यादव अम्बेडकरनगर जिले का निवासी है और उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने शूटरों की व्यवस्था कराने में अपनी भूमिका स्वीकार की है। उसने बताया कि उसने दिनेश कुमार यादव तथा उसके चालक मुकर्रबीन उर्फ मुबीन के कहने पर इस वारदात में सहयोग किया था। गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ ने आरोपी को आगे की विधिक कार्रवाई के लिए पीजीआई पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने किया गोपाल कुशवाहा को सम्मानित

पटना(उत्तरशक्ति)। राजधानी पटना के होटल ताज में आयोजित मोस्ट ट्रस्टेड ब्रांड ऑफ ईस्टर्न इंडिया 2025 - 2026 कार्यक्रम में ओल्ड चंपारण मीट हाउस के संचालक गोपाल कुशवाहा को अलबेला इवेंट्स द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने उन्हें सम्मान प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। सम्मान के दौरान गोपाल कुशवाहा के साथ उनके पुत्र अभिनव भी मौजूद रहे। इस अवसर पर गोपाल कुशवाहा ने चंपारण मटन की पारंपरिक और विशिष्ट विधि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मिट्टी के बर्तन में धीमी आंच पर विशेष मसालों के साथ पकाया गया चंपारण मटन अपने अनूठे स्वाद और सुगंध के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि यह व्यंजन बिहार की समृद्ध खानपान संस्कृति की पहचान बन चुका है। सम्मान प्राप्त करने के बाद गोपाल कुशवाहा ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें अपने कार्यों को और बेहतर ढंग से करने की प्रेरणा देगा। अलबेला इवेंट्स के निदेशक मनमीत अलबेला ने कहा कि यह सम्मान समारोह समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का माध्यम हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने मेडिकल कॉलेज जौनपुर में जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का किया शुभारम्भ।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेडिकल कॉलेज, जौनपुर में जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले (14 जून से 16 जून, 2026) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव रहे। मंत्री ने फीता काटकर, दीप प्रज्वलित कर तथा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उनके आगमन के लिए आभार व्यक्त किया तथा स्वास्थ्य शिविर की गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी0 कमल ने बताया कि कम्युनिटी मेडिसिन विभाग द्वारा डाल्हनपुर, सिद्दीकपुर, खम्हौरा, जगदीशपुर, सैदपुर गड़उर एवं कोठवार सहित कई गांवों को गोद लिया गया है। इन गांवों में मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्र समय-समय पर घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हैं तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करते हैं, तथा साथ ही मौके पर शुगर, रक्तचाप एवं अन्य आवश्यक जांचों की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज की आपातकालीन सेवाएं 24/7 संचालित हैं तथा आमजन को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। शीघ्र ही रेडियोलॉजी विशेषज्ञ की नियुक्ति होने वाली है तथा वर्ष के अंत तक अस्पताल में आईपीडी सेवाएं प्रारंभ करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री श्री गिरीश चन्द्र यादव ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने प्रधानमंत्री जन औषधि योजना, आयुष्मान भारत योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान

भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी बड़े अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त कर पा रहा है। उन्होंने उपस्थित लोगों से स्वास्थ्य मेले एवं चिकित्सा शिविर का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। माननीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि मेडिकल कालेज जौनपुर के विकास एवं सुविधाओं के विस्तार हेतु आवश्यक प्रयास निरन्तर कर रहें है, जिससे जौनपुर एवं आसपास के जिलों की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.ए. जाफरी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। और माननीय मंत्री जी को अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली, मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं तथा भविष्य की विकास योजनाओं के सबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने माननीय मंत्री से अस्पताल का भौतिक निरीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम के उपरांत माननीय मंत्री ने अस्पताल का निरीक्षण किया तथा इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों का कुशलक्षेम जाना। उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर उपचार, चिकित्सकों की उपलब्धता एवं अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न ओपीडी विभागों का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने नाक, कान एवं गला (ईएनटी) विभाग में पहुंचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया तथा विभाग की चिकित्सक डॉ. राजश्री यादव से परामर्श प्राप्त किया। उन्होंने डॉ. राजश्री यादव की सेवाभावना एवं कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सकों की समर्पित सेवा ही समाज में डॉक्टरों को भगवान का दूसरा रूप कहलाने का आधार प्रदान करती है। कार्यक्रम का सफल आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागध्यक्ष डा0 अनुज सिंह तथा चिकित्सा शिक्षक- डा0 मुदित चैहान, डा0 नवीन सिंह, डा0 पूजा पाठक, डा0 अनिल कुमार, एवं अन्य चिकित्सक व कर्मचारी के समर्पित सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य प्रो0 आशीष यादव, डीन अकादमी प्रो0 तबस्सुम यासमिन एवं कालेज के अन्य चिकित्सा शिक्षक- डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 चन्द्रभान, डा0 संजीव यादव, डा0 आनन्द सिंह, डा0 श्वेता सिंह, डा0 दीपिका शाव, डा0 प्रतिभा सिंह, डा0 अवधेश गुप्ता, डा0 फरहत फातिमा, डा0 पंकज कुमार, डा0 संदीप सिंह एवं कर्मचारी तथा मरीज एवं उनके तीमारदार उपस्थित रहें।

बिजली की समस्या को लेकर जनता न्याय मांग रही है : सुदीप्ती नीरज सिंह

विरार (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 2, विरार पश्चिम में बिजली सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर स्थानीय नागरिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सुदीप्ती नीरज सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता अब केवल आश्वासनों और प्रचार से संतुष्ट नहीं है, बल्कि वास्तविक विकास कार्य और समस्याओं का स्थायी समाधान चाहती है। उन्होंने कहा कि वार्ड की जनता भली-भांति जानती है कि क्षेत्र के विकास एवं जनहित के कार्य किन प्रयासों से संभव होते हैं। उनका

आरोप है कि कुछ जनप्रतिनिधि जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने के बजाय सोशल मीडिया पर रील और वीडियो बनाने में अधिक व्यस्त दिखाई देते हैं।

सुदीप्ती नीरज सिंह ने कहा कि किसी एक कार्य के कई वीडियो बनाकर उसका पूरा श्रेय लेने का प्रयास जनसेवा नहीं माना जा सकता। उनके अनुसार जनप्रतिनिधि का दायित्व कैमरे के सामने उपस्थित होने से अधिक जनता के बीच रहकर गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाना और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में कई समाजसेवी और जागरूक नागरिक वर्षों से निस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं, लेकिन उनके योगदान को नजरअंदाज कर केवल प्रचार पर ध्यान देना उचित नहीं है। ग्लोबल सिटी सहित पूरे वार्ड की जनता यह समझती है कि कौन वास्तव में जमीनी स्तर पर काम कर रहा है और कौन केवल अपनी छवि निर्माण में लगा हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता को दिखावे की राजनीति नहीं, बल्कि बिजली, पानी, सड़क, सफाई और अन्य मूलभूत सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था चाहिए। उनका मानना है कि जनप्रतिनिधियों को प्रचार से पहले जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और समय आने पर अपना निर्णय स्वयं करेगी।

13 गांवों की जमीन अधिग्रहण की आशंका से किसानों में बेचैनी, पूनम मौर्या ने डीएम को दिए कार्रवाई के निर्देश

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। राजातालाब तहसील क्षेत्र के करधना से बरकी तक स्थित 13 गांवों की कृषि भूमि के संभावित अधिग्रहण की आशंका को लेकर किसानों में गहरी चिंता और असंतोष व्याप्त है। इस मुद्दे को लेकर समाजसेवी सुबेदार यादव ने जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या से मुलाकात कर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया और ज्ञापन सौंपा। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने तत्काल संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी वाराणसी को पत्र भेजकर तथा दूरभाष के माध्यम से निर्देशित किया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा की जाए और किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। समाजसेवी सुबेदार यादव ने बताया कि करधना, बरकी सहित 13 गांवों के अधिकांश लोग खेती-किसानी पर निर्भर हैं। यदि कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जाता है तो हजारों परिवारों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। किसानों का कहना है कि उनकी जमीन ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है और बिना उनकी सहमति किसी भी प्रकार का अधिग्रहण उनके साथ अन्याय होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी अन्नदाता के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से किसानों की आशंकाओं को दूर करने और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करने को कहा। संभावित भूमि अधिग्रहण की चचाओं से प्रभावित गांवों में पिछले कई दिनों से चिंता का माहौल बना हुआ है। हालांकि जिला पंचायत अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद किसानों को उम्मीद जगी है कि उनकी बात शासन-प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचेगी और उनके हितों की रक्षा की जाएगी।

सोमवती अमावस्या पर सुन्दर काण्ड पाठ के साथ हुआ हवन एवं भण्डारा

जौनपुर। मलमास अर्थात पुरुषोत्तम मास के समापन पर सोमवती अमावस्या पर सुन्दर कांड का पाठ के साथ विशेष हवन किया गया जिसके बाद आयोजित भण्डारे में तमाम लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर राम प्रीति मिश्र फलाहारी महाराज ने बताया कि मलमास अर्थात पुरुषोत्तम अधिक मास प्रत्येक 3 वर्षों के पश्चात आता है। इस वर्ष दुर्लभ संयोग बना है कि सोमवती अमावस्या को यह पुण्य तिथि मिली है जिसमें रामप्रीति मिश्र फलाहारी महराज धमार्चार्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के नेतृत्व में भक्तों ने श्रीराम जानकी मठ गूलर घाट पर विशेष हवन और विशाल भंडारे का आयोजन किया। तमाम भक्तों ने अपना सहयोग देकर कार्यक्रम को सम्पन्न कराया जहां भक्तगण सम्मिलित होने के साथ ही प्रसाद ग्रहण करके पुण्य के भागी बने।

इस अवसर पर भास्कर पाठक, नान्हू पाठक, रवि अग्रहरि, कश्यप अग्रहरि, दिवाकर पाठक, सौरभ अग्रहरि, अवधेश मौर्य, भारद्वाज मिश्र, सचिन श्रीवास्तव जिला मंत्री, जितेंद्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, समरनाथ पाल उपाध्यक्ष, जयेश सिंह राष्ट्रीय बजरंग दल, संजय शुक्ला, अंजनी श्रीवास्तव, प्रदीप मिश्रा, रामकृष उपाध्याय, सागर सिंह, संतोष कुमार सहित तमाम भक्तों की उपस्थिति रही। अन्त में अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद ने समस्त आगंतुकों एंव सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

दलालों में खौफ, मरीजों में भरोसा: जिला अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था हुई और सख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला चिकित्सालय (पुरुष) में सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (उटर) के निर्देश पर अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान सुरक्षा कर्मी सुपरवाइजर संजय सिंह के नेतृत्व में सुरक्षा जवान पूरी तरह मुस्तैद और चाक-चौबंद नजर आए। अस्पताल परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण मिल सके। सुरक्षा टीम द्वारा अस्पताल में अनावश्यक रूप से घूमने वाले संदिग्ध व्यक्तियों तथा व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वालों पर लगातार नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि बीते दिनों सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मुहिम के तहत अस्पताल परिसर में सक्रिय कुछ कथित दलालों एवं फालतू घूम रहे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। सुरक्षा कर्मी सुपरवाइजर संजय सिंह की पहल पर ऐसे कई लोगों को पकड़कर पुलिस के हवाले भी किया गया था। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, लगातार हो रही सख्ती का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि सुरक्षा टीम को देखते ही संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोग अस्पताल परिसर से दूर रहने लगे हैं। इससे अस्पताल में व्यवस्था बेहतर हुई है और मरीजों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिल रही है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा परिसर में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या दलाली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए नियमित निगरानी जारी रहेगी।

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने जन आरोग्य मेले एवं विकास खंड रामपुर का किया अवलोकन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड रामपुर, में आयोजित जन आरोग्य मेले का जिलाधिकारी श्री सैमुअल पॉल एन. एवं मुख्य विकास अधिकारी श्री ध्रुव खाड़िया द्वारा अवलोकन किया गया।

इस दौरान जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, बाल विकास परियोजना, शिक्षा, पशुपालन विभाग सहित विभिन्न विभागों एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर संचालित योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ज्ञान्ता देवी, त्रिभुवन, अंजली, शीला देवी एवं विकास को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए गए। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निःक्षय पोषण योजना के तहत

टीबी रोगी फलक शेख को पोषण पोटली प्रदान की गई। बाल विकास परियोजना विभाग अंतर्गत प्रदीप कुमार (आयु 07 माह) एवं काव्या (आयु 06 माह) का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। वहीं पशुपालन विभाग द्वारा त्रिभुवन गौड़, रामपुर बाजार को पशु किट भी वितरित की गई। इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने विकास खंड रामपुर परिसर का निरीक्षण किया तथा विकास खंड के आईएसओ प्रमाणीकरण हेतु किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने एवं विभागीय कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। जन आरोग्य मेले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आमजन को उपलब्ध कराई गई तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं : कृपा शंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन एवं जिला विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया के दिशा-निर्देशन में आयुष विभाग द्वारा 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के योग सप्ताह का शुभारंभ लोहिया पार्क में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री एवं मुख्य अतिथि कृपा शंकर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कमल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी अचल हरिमूर्ति एवं मुख्य योग शिक्षक अरविंद कुमार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल का पूर्वाभ्यास कराया। मुख्य अतिथि कृपाशंकर सिंह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। नियमित योग, मध्यम गति से पैदल चलना और खेलकूद को जीवन का हिस्सा बनाकर व्यक्ति अपने

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस योग सप्ताह का हुआ शुभारंभ

स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है। योग प्रोटोकॉल के अभ्यास के दौरान गर्दन, कंधे और कमर से जुड़ी समस्याओं जैसे सर्वाइकल, स्पॉन्डिलाइटिस तथा रीढ़ की हड्डी से संबंधित परेशानियों के समाधान के लिए सरल योग एवं व्यायामों का अभ्यास कराया गया। शारीरिक और मानसिक मजबूती के लिए ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, सेतुबंध आसन, उत्तानपादासन, पवन मुक्तासन सहित शवासन और योग निद्रा का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही स्वास्थ्य लाभ के लिए कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, उद्गीथ, शीतली और सित्कारी प्राणायाम के साथ ध्यान का अभ्यास भी कराया गया। योग सप्ताह के अंतर्गत लोहिया पार्क में संगीतमय योगाभ्यास कराया जा रहा है। योग से जुड़े प्रेरणादायक गीतों ने साधकों को उत्साहित किया। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह, नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी धर्मराज सिंह, आयुष विभाग के समस्त कर्मचारी, योग प्रशिक्षक सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सीईओ मनोज रानडे के नाम पर व्हाट्सएप पर ठगी का प्रयास, नागरिकों से सतर्क रहने की अपील

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनोज रानडे के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर व्हाट्सएप के माध्यम से फर्जी संदेश भेजे जाने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद स्वयं सीईओ मनोज रानडे ने नागरिकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है। जानकारी के अनुसार अज्ञात व्यक्ति ने सीईओ मनोज रानडे की फोटो और नाम का उपयोग करते हुए थाईलैंड के कंट्री कोड वाले मोबाइल नंबर +66 915453693 से कई लोगों को संदेश भेजे हैं। जिला परिषद प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह नंबर सीईओ से किसी भी प्रकार से संबंधित नहीं है और इस नंबर से प्राप्त होने वाले संदेश पूरी तरह फर्जी हैं। मनोज रानडे ने नागरिकों से अपील की है कि उनके नाम से किसी अज्ञात नंबर से संदेश प्राप्त होने पर उस पर विश्वास न करें। साथ ही ऐसे संदेशों का जवाब देने, किसी प्रकार का आर्थिक लेन-देन करने अथवा व्यक्तिगत एवं गोपनीय जानकारी साझा करने से बचें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों पर साइबर ठगी के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में सभी नागरिकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। किसी भी संदिग्ध संदेश या कॉल की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों अथवा साइबर पुलिस को दें। जिला परिषद प्रशासन ने भी लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों और फर्जी संदेशों से सावधान रहें तथा किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी से बचने के लिए सतर्कता बनाए रखें।

अगले तीन वर्षों में भारत में लॉजिस्टिक्स, आंतरिक सुरक्षा और क्लीनटेक क्षेत्रों में ड्रोन उपयोग में 55 प्रशित की वृद्धि होगी: नेक्सजेन सर्वे

मुंबई/नई दिल्ली। भारत में ड्रोन तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में लॉजिस्टिक्स, आंतरिक सुरक्षा (होमलैंड सिक्योरिटी) तथा क्लीनटेक जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक विस्तार देखने को मिलेगा। नेक्सजेन एग्जीबिशन्स प्राइवेट लिमिटेड (ठगछछ) द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, अगले तीन वर्षों में इन क्षेत्रों में ड्रोन तैनाती में 55 प्रतिशत तक वृद्धि होने का अनुमान है। इसी परिप्रेक्ष्य में 24-25 जून 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने जा रहे 11वें इंटरनेशनल पुलिस एक्सपो और 7वें ड्रोन इंटरनेशनल एक्सपो में 25 से अधिक देशों की 200 से ज्यादा कंपनियां भाग लेंगी। यह आयोजन ड्रोन तकनीक, सुरक्षा समाधान, लॉजिस्टिक्स नवाचार, साइबर सुरक्षा और रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग तथा नए अवसरों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मुंबई, दिल्ली,चेन्नई, बेंगलुरु और पुणे के 1,000 उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, सुरक्षा अधिकारियों और तकनीकी पेशेवरों के बीच किए गए इस सर्वेक्षण में सामने आया कि ड्रोन अब केवल निगरानी उपकरण नहीं रहे, बल्कि आधुनिक सप्लाई चेन, हरित विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्वपूर्ण साधन बन चुके हैं।

नेक्सजेन एग्जीबिशन्स की प्रबंध निदेशक श्रीमती संगीता बंसल ने कहा, ड्रोन तकनीक भारत के लॉजिस्टिक्स, सुरक्षा और सतत विकास के भविष्य को नई दिशा दे रही है। अगले कुछ वर्षों में ड्रोन देश की सप्लाई चेन को अधिक कुशल, पर्यावरण-अनुकूल और सुरक्षित बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। हालांकि, इस क्षेत्र की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए स्पष्ट नीतियों, कुशल मानव संसाधन और उद्योग-सरकार के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता है। सर्वेक्षण के अनुसार, 38 प्रतिशत प्रतिभागियों ने सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स आवश्यकताओं को ड्रोन अपनाने का सबसे बड़ा कारण बताया, जबकि 27 प्रतिशत ने तेज और टिकाऊ डिलीवरी समाधान की बढ़ती मांग को प्रमुख कारक माना। वहीं, 54 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि वर्तमान उद्योग रुझान आने वाले वर्षों में ड्रोन उपयोग को और अधिक गति देंगे। सर्वे में यह भी सामने आया कि 40 प्रतिशत लोगों ने सरकारी नीतियों को ड्रोन उद्योग के विकास का प्रमुख आधार बताया, जबकि 21 प्रतिशत ने तकनीकी नवाचार को सबसे बड़ा प्रेरक कारक माना।

स्नेहा दुबे पंडित ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और केरल समुदाय की मुलाकात

वसई। आनंद नगर, वसई वेस्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और केरल समुदाय के जाने-माने सदस्य अजीत पिल्लई के घर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित की एक गुडविल विज़िट हुई। इस मौके पर वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अलग-अलग मुद्दों, खासकर एजुकेशनल सुविधाओं, स्कूलों से जुड़े मुद्दों के साथ-साथ हेल्थ सर्विसेज और हॉस्पिटल से जुड़े मामलों पर डिटेल में चर्चा की गई। हमारे काम का एक जरूरी हिस्सा समाज के अलग-अलग हिस्सों से लगातार बातचीत करना और लोकल मुद्दों, डेवलपमेंट के कामों और नागरिकों की उम्मीदों को समझना है। नागरिकों की भलाई के लिए जरूरी मुद्दों पर पॉजिटिव चर्चा करके डेवलपमेंट से जुड़े विचारों का आदान-प्रदान किया गया। इस मौके पर मिसेज अस्मिता मुकाने, मिस्टर सुरेश नायर, मिस्टर देवेन नायर, मिस्टर सुंदरेशन, मिस्टर प्रदीप तालेकर, मिसेज सोनल महादेव, मिस्टर हितेश मिस्त्री के साथ-साथ कॉर्पोरेटर निम्मी निपुण दोशी, मयंक शेठ, कल्पेश शेठ, छोटू आनंद, निपुण दोशी, कल्पेश चौहान, मिस्टर मनोज गुप्ता, मिस्टर तुषार वालिया, एडवोकेट जितेंद्र पांडे, मिस्टर रोहित नायर, मिस्टर जयेश गांधी मौजूद थे।

मौर्य समाज मंडल ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को वितरित किए स्कूल बैग व नोटबुक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में मौर्य समुदाय मीरा भायंदर मंडल द्वारा आयोजित एक सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क स्कूल बैग एवं नोटबुक वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके शैक्षणिक विकास में सहयोग देना था। इस अवसर पर कक्षा में उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण होने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, ताकि उनका उत्साहवर्धन हो और वे भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित हों। कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित अतिथियों एवं समाजसेवियों का शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामसजीवन सिंह, राजेंद्र मौर्य, श्रीमती हेमलता मौर्य, विजय शंकर मौर्य, जय राम मौर्य, जयशंकर मौर्य, मिठाई लाल मौर्य, मनोज कुमार मौर्य, रामबली मौर्य, विपिन मौर्य तथा श्रीमती चंदा मौर्य सहित अनेक समाजसेवियों ने तन, मन और धन से सहयोग प्रदान किया।कार्यक्रम के प्रमुख सहयोगी रामसजीवन सिंह समाजहित एवं धार्मिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं उपस्थित नागरिकों के लिए जलपान की भी विशेष व्यवस्था की गई। मौर्य समुदाय मंडल के इस सराहनीय प्रयास की उपस्थित लोगों ने प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

मुंबई भाजपा जिलाध्यक्ष का मीरा रोड में भव्य स्वागत

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड भाजपा (उत्तर भारतीय मोर्चा) मुंबई जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा का मीरा रोड में भव्य स्वागत किया गया जिसमें सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष पवन त्रिपाठी का भी स्वागत किया गया । उत्तर भारतीय समाज द्वारा रक्खे स्वागत समारोह में नगरसेवक मनोज दुबे, नगरसेवक नवीन सिंह, वरिष्ठ समाज सेवक रत्नाकर मिश्रा, भवन निमार्ता सुरेश सिंह, समाज सेवक हरिशंकर दुबे (दाढ़ी) वरिष्ठ पत्रकार महेंद्र पांडेय, राजेश मिश्रा, संजय दुबे, दिनेश उपाध्याय, रमेश मिश्र , कमलेश दुबे , रेनू मल्लाह, के साथ साथ सैकड़ों की संख्या में उत्तर भारतीय समाज के गणमान्यों ने साल श्रीफल, गुलदस्ता देकर स्वागत किया। सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा की समाज में रहना है तो आपसी सामंजस्य बहुत जरूरी है ! भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भाजपा मुंबई जिलाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने कहा कि अपनों के बीच आकर बहुत ही खुशी की अनुभूति हो रही है।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने 'एक्सीलेंस इन एआई फॉर शुगर इंडस्ट्री' पुरस्कार जीता

मुंबई। फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने चीनीमंडी द्वारा आयोजित तीसरे शुगर, इथेनॉल एंड बायोएनर्जी इंटरनेशनल अवॉर्ड्स (एसईआईए) 2026 में एक्सीलेंस इन एआई फॉर शुगर इंडस्ट्री पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार इस क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान मंचों में से एक है। यह पुरस्कार शुगर, इथेनॉल एंड बायोएनर्जी इंडिया कॉन्फरन्स 2026 की उद्घाटन संध्या पर प्रदान किया गया। यह सम्मान फाइंडेबिलिटी साइंसेज को ऐसे क्षेत्र के केंद्र में स्थापित करता है, जो दशकों में अपने सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव से गुजर रहा है।

भारत का चीनी उद्योग, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उद्योग है, एक साथ गन्ने की उपज, मिल रिकवरी, इथेनॉल ब्लेंडिंग लक्ष्यों और स्थिरता परिणामों को बेहतर बनाने के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। फाइंडेबिलिटी साइंसेज इस बदलाव को संभव बनाने के लिए अक इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है – जो फील्ड-लेवल डेटा, फैक्ट्री ऑपरेशंस और एंटरप्राइज निर्णय-प्रक्रिया को एक सुसंगत इंटेलिजेंस लेयर में जोड़ता है। लोग हमेशा यह नहीं समझते कि चीनी, इथेनॉल और बायोएनर्जी लाखों किसान परिवारों की आजीविका हैं, हमारे वाहनों का ईंधन हैं, और अब तेजी से ऊर्जा सुरक्षा से जुड़े उन सवालों का उत्तर बन रहे हैं जिन्हें हल करने के लिए सरकारें प्रयासरत हैं। फिर भी, यह उद्योग आज भी अपने सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लगभग उसी तरह ले रहा है जैसे तीस साल पहले लेता था – अनुभव के आधार पर, या उस डेटा के आधार पर जिसे किसी ने सीजन खत्म होने से पहले लिख लिया हो। मैं ऐसे मिल मैनेजर्स के साथ बैठा हूं जो अपने काम में बेहद दक्ष हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में उनके पास स्पष्ट डेटा-आधारित दृश्यता नहीं होती। यही वह अंतर है जिसे हम दूर करने के लिए यहां हैं। क्योंकि जब इंटेलिजेंस लेयर सही बनती है, तो केवल मिल बेहतर नहीं चलती, किसान को उचित मूल्य मिलता है, देश अपने इथेनॉल लक्ष्यों को पूरा करता है, और उद्योग को अंततः अपनी वास्तविक क्षमता के अनुरूप उपकरण मिलते हैं, आनंद महुरकर, संस्थापक एवं सीईओ ने कहा। कंपनी के शुगर और एग्री एआई पोर्टफोलियो में स्टोमा सेंस शामिल है, जो किसानों को सीधे क्रॉप इंटेलिजेंस और फील्ड-लेवल इनसाइट्स प्रदान करता है, और स्टोमा इनसाइट, जो चीनी वैल्यू चेन में कृषि-औद्योगिक हितधारकों के लिए एनालिटिक्स और निर्णय-सहायता प्लेटफॉर्म है। इस क्षेत्र में कंपनी की ऑन-ग्राउंड उपस्थिति में ग्रुपो पेंटालियोन के साथ चीनी वैल्यू चेन के लिए अगली पीढ़ी की एआई तैनाती की साझेदारी; एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (एडीटी), बारामती के साथ सहयोग, जहां एआई अपनाने को मापने योग्य प्रभाव के लिए मान्यता मिली है; और जालना सुपर 50 एआई फार्मर्स प्रोग्राम शामिल हैं, जिसे जिला प्रशासन जालना और महाराष्ट्र कृषि विभाग के साथ मिलकर गन्ना किसानों तक एआई-आधारित निर्णय-सहायता पहुंचाने के लिए चलाया जा रहा है।

विद्यालय प्रवेशोत्सव पर अप्पर मुख्य सचिव विकास खारगे ने विद्यार्थियों का किया स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के पालघर जिले के पालक सचिव एवं राजस्व विभाग के अप्पर मुख्य सचिव विकास खारगे की उपस्थिति में सोमवार को जिलेभर में विद्यालय प्रवेशोत्सव बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ तथा जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने भी सहभागिता करते हुए दहानू तहसील के कोटबी बुजडपाड़ा तथा तलासरी तहसील के सूत्रकार स्थित जिला परिषद स्कूलों का दौरा किया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों का गुलाब पुष्प देकर स्वागत किया गया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद कर शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर जिले की 552 जिला परिषद स्कूलों में जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया। स्कूलों की आकर्षक सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और स्वागत गतिविधियों ने पूरे जिले में उत्सव जैसा माहौल बना दिया। कोटबी बुजडपाड़ा और सूत्रकार स्कूलों में आयोजित कार्यक्रमों में अपर मुख्य सचिव विकास खारगे ने विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए तथा ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को शिक्षा के बल पर प्रगति के नए अवसर प्राप्त करने चाहिए। जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील ने पालघर तहसील के नंडोरे स्थित जिला परिषद स्कूल का दौरा कर नवागत विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने स्कूल की शैक्षणिक गतिविधियों, स्कूल पूर्व तैयारी अभियान तथा उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा भी की। प्रवेशोत्सव के तहत जिलेभर में प्रभात फेरियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षणिक प्रदर्शनी, विद्यार्थी-अभिभावक संवाद तथा निपुण महाराष्ट्र अभियान से संबंधित जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किये गये। नवप्रवेशित विद्यार्थियों का औक्षण कर उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेशों का वितरण भी किया गया। स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य, अभिभावक, शिक्षक और ग्रामवासी बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में शामिल हुए। जिले के सभी विभाग प्रमुखों के साथ शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) सोनाली मातेकर, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) अशोक पाटील तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के प्राचार्य संभाजी भोजने ने विभिन्न स्कूलों का दौरा कर प्रवेशोत्सव की समीक्षा की।

सौरभ बोथरा ने योग को बनाया लोगों की जिंदगी का हिस्सा

मुंबई। साल 2020 में जब कोविड-19 लॉकडाउन के कारण पूरा देश अनिश्चितता और मानसिक तनाव से जूझ रहा था, तब आईआईटी-बीएचयू के पूर्व छात्र सौरभ बोथरा ने लोगों की मदद के लिए अपने घर से ऑनलाइन योग सत्र की शुरूआत की थी। उनके पहले सत्र में महज 3 प्रतिभागी शामिल हुए थे। लेकिन लॉकडाउन के उसी कठिन दौर में जन्म लेने वाले इस छोटे से प्रयास ने आज एक विशाल वैश्विक आंदोलन का रूप ले लिया है। सौरभ द्वारा स्थापित हैबिट-बिल्डिंग प्लेटफॉर्म 'हैबिल्ड' आज दुनिया भर में लाखों लोगों, विशेषकर महिलाओं और बुर्जुगो के लिए दैनिक स्वास्थ्य का एक मजबूत जरिया बन चुका है। लॉकडाउन के दौरान शुरूआती सत्रों के बाद सौरभ ने महसूस किया कि लोग स्वस्थ तो रहना चाहते हैं, लेकिन वे इसे अपनी रोजमर्रा की आदत नहीं बना पाते। इसी बीच उनकी माँ ने एक बेहद महत्वपूर्ण बात साझा की; उन्होंने बताया कि मध्यम आयु वर्ग की महिलाओं के लिए जटिल और कठिन फिटनेस रूटीन का पालन करना बेहद मुश्किल होता है, इसलिए उन्हें कुछ ऐसा चाहिए जो बेहद सरल, व्यावहारिक और टिकाऊ हो। सौरभ ने इस बात को गहराई से समझा और योग को बिगिनर्स के अनुकूल बेहद आसान बना दिया। उन्होंने कठिन वर्कआउट के बजाय 'दैनिक निरंतरता' पर ध्यान केंद्रित किया। उनका मानना था कि अगर लोग रोज सिर्फ कुछ समय के लिए भी योग से जुड़ेंगे, तो वे जीवनभर के लिए एक अच्छी आदत विकसित कर लेंगे। इसी अनूठे दर्शन के साथ 'हैबिल्ड' की मजबूत नींव पड़ी। महाराष्ट्र के गाँव से लेकर वैश्विक मंच तक का सफरः सौरभ बोथरा के लिए लोक-कल्याण की भावना कोई नई नहीं थी। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के एक छोटे से गाँव धनाज में उनके दादा, डॉ. लक्ष्मीचंद बोथरा ने बड़े शहरों के बड़े अवसरों को छोड़कर ग्रामीण भारत में चिकित्सा सेवाओं के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। दादाजी के इसी सेवाभाव से प्रेरित होकर सौरभ ने आईआईटी की डिग्री होने के बावजूद कॉर्पोरेट करियर के बजाय योग के जरिए समाज की सेवा करने का फैसला किया।

ईशान्य मुंबई के सांसद संजय दिना पाटिल से समाजसेवक सुखबिंदर सिंह की विशेष मुलाकात

मुंबई। समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने ईशान्य मुंबई के लोकप्रिय सांसद संजय दीना पाटिल से शिष्टाचार भेंट कर जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान मुंबई की नागरिक समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, युवाओं के विकास तथा सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने क्षेत्र की जनता से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषय सांसद के समक्ष रखे और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। सांसद संजय दिना पाटिल ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना तथा जनहित के कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने क्षेत्र के विकास और नागरिकों की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयास करने का आश्वासन दिया।

बैठक के दौरान सामाजिक एकता, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा मुंबई के सर्वांगीण विकास से संबंधित विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) ने सांसद महोदय का समय देने और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुनने के लिए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से क्षेत्र के विकास को गति देने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

मुंबई हाई कोर्ट ने की रूनवाल कंस्ट्रक्शन्स की अपीलें खारिज, फ्लैट खरीदारों को मिली बड़ी राहत

मुंबई(उत्तरशक्ति)। वर्षों से अपने आशियाने का इंतजार कर रहे फ्लैट खरीदारों के पक्ष में एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए मुम्बई हाई कोर्ट ने रूनवाल इन्फिनिटी (रूनवाल सैंक्चुरी) परियोजना मामले में रूनवाल कंस्ट्रक्शन्स द्वारा दायर द्वितीय अपीलों को खारिज कर दिया है। न्यायालय के इस फैसले को गृह-खरीदारों के अधिकारों की बड़ी जीत माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नाहुर-मुलुंड स्थित परियोजना में वर्ष 2005 से 2007 के बीच कई खरीदारों ने अपने फ्लैट बुक कराए थे और बड़ी रकम का भुगतान भी किया था। बावजूद इसके, तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी उन्हें फ्लैटों का कब्जा नहीं मिला। लंबे इंतजार और परेशानियों के बाद खरीदारों ने रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम के तहत न्याय की मांग की। 8 जून 2026 को सुनाए गए अपने फैसले में हाई कोर्ट ने बिल्डर की सभी अपीलों को खारिज करते हुए खरीदारों के पक्ष में दिए गए राहत आदेशों को बरकरार रखा। इतना ही नहीं, अदालत ने बिल्डर पर लागत भी लगाई। न्यायालय ने सी-विंग के खरीदारों को एक लाख रुपये की लागत प्रदान की, जबकि अन्य आठ प्रतिवादियों को 10-10 हजार रुपये की लागत मंजूर की। अदालत ने माना कि खरीदारों को वर्षों तक कब्जा न मिलने के कारण आर्थिक, मानसिक और कानूनी संघर्षों का सामना करना पड़ा। फैसले में इन कठिनाइयों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार यह निर्णय देशभर में लंबित रियल एस्टेट परियोजनाओं से जुड़े मामलों के लिए मिसाल बन सकता है। इससे फ्एफ्अ के तहत गृह-खरीदारों के अधिकारों को और मजबूती मिलेगी तथा बिल्डरों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी। करीब दो दशक से अपने घर और न्याय की प्रतीक्षा कर रहे खरीदारों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे आम गृह-खरीदारों की जीत बताया है। सुनवाई के दौरान बिल्डर पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अतुल दामले, वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव चव्हाण, वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष कामत, अधिवक्ता साकेत मोने व अधिवक्ता रुबिन वकील तथा फ्लैट खरीदारों की ओर से अधिवक्ता अंजनी कुमार सिंह व अधिवक्ता अस्मिता एस. जायसवाल ने जोरदार दलीलें रखी।

किसानों को बेहतर पैदावार देने के लिए श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स की नई पहल

डालटनगंज। डीसीएम श्रीराम लिमिटेड के प्रभाग, श्रीराम फार्म सॉल्युशन्स ने रांची में आयोजित कार्यक्रम में किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से हाइब्रिड, रिसर्च और सब्जियों के बीजों की नई श्रृंखला लॉन्च की। हाइब्रिड सीड सेगमेंट में कंपनी ने धान के लिए श्रीराम 470 और श्रीराम 735 पेश किए। वहीं रिसर्च सीड सेगमेंट में श्रीराम सुपर 7733 और श्रीराम सुपर 7700 लॉन्च किए गए।

योगमय हुई काशी, नमो घाट से विश्व तक पहुंचेगा भारत का संदेश

*अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह का शुभारंभ

*नमो घाट पर सैकड़ों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

*आयुष मंत्री बोले- योग भारत की सांस्कृतिक चेतना का वैश्विक स्वरूप

*21 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के रेड रोड से करेंगे राष्ट्रीय कार्यक्रम का नेतृत्व

*मुख्यमंत्री योगी की पहल से उत्तर प्रदेश में घर-घर पहुंच रही स्वस्थ जीवनशैली

*मोदी के नेतृत्व में योग बना वैश्विक जनआंदोलन

-सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी के नमो घाट से सोमवार को अंतरराष्ट्रीय योग सप्ताह का शुभारंभ केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि भारत की उस प्राचीन ऋषि परंपरा का पुनर्स्मरण बन गया जिसने पूरे विश्व को शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का मार्ग दिखाया। उगते सूर्य की लालिमा, गंगा की अविरल धारा और सैकड़ों लोगों के सामूहिक योगाभ्यास ने यह संदेश दिया कि योग अब केवल भारत की विरासत नहीं, बल्कि वैश्विक जीवनशैली का आधार बन चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा तथा अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। योग प्रशिक्षक दिनेश कुमार मौर्य एवं आरती सिंह के निर्देशन में सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास किया। अपने संबोधन में आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जिसने पूरी दुनिया को स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की दिशा दिखाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण योग को वैश्विक पहचान मिली और आज विश्व के 190 से अधिक देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में योग, आयुष और स्वस्थ जीवनशैली को जन-आंदोलन बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर योग शिविर आयोजित कर लोगों को स्वस्थ जीवन के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

21 जून को कोलकाता से प्रधानमंत्री देंगे विश्व को योग का संदेश

इस वर्ष 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 21 जून को कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हजारों लोगों के साथ सामूहिक योगाभ्यास करेंगे। इस बार देशभर में योग सप्ताह, योग संगम, विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, आयुष संस्थानों तथा सार्वजनिक स्थलों पर विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस वर्ष की थीम

"Yoga for Healthy Ageing" (योग के माध्यम से स्वस्थ एवं सक्रिय वृद्धावस्था) इस वर्ष की आधिकारिक थीम है। इसका उद्देश्य यह संदेश देना है कि योग केवल रोगों से बचाव का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक चरण में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का आधार है।

देशभर में व्यापक तैयारियां

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सप्ताहभर योग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी कार्यालयों, ऐतिहासिक स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया जा रहा है। विभिन्न राज्यों में लाखों लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. नितेश श्रीवास्तव, एसडीएम पवन कुमार सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय यादव, आयुष मंत्री के पीआरओ गौरव राठी, पारस यादव 'पप्पू', डॉ. दीपिका दवे, विनोद यादव 'गप्पू' सहित आयुष, शिक्षा एवं अन्य विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

योग : भारत की संस्कृति से विश्व की जीवनशैली तक

वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव के बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। आज योग भारत की सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ वैश्विक स्वास्थ्य आंदोलन का भी सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है।